तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 37 अंक 94 | कोरबा, शनिवार , दिनांक 03 जनवरी 2026 डाक 04 जनवरी 2026 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना, बिहार में इको पार्क का दौरा किया।

देश-विदेश
महिलाओं पर आपत्तिजनक बयान निंदनीय, महिला आयोग की अध्यक्ष ने सीएम धामी को लिखा पत्र

फीचर पेज
सुबह उठते ही इन पवित्र पेड़-पौधों के करें दर्शन, दुख-दरिद्रता होगी दूर

सुरक्षाबलों ने 14 नक्सलियों को मार गिराया, नक्सली कमांडर मंगडु भी ढेर

सुकमा, 03 जनवरी [एजेंसी]।

बस्तर रेंज में नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों को एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। बीजापुर और सुकमा जिलों में चलाए गए सघन तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने कुल 14 नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। इन नक्सलियों के पास से भारी मात्रा में एके-47, आईएनएसएएस और एसएलआर राइफल जैसे अत्याधुनिक हथियार भी जब्त किए गए हैं।

बीजापुर और सुकमा जिलों के दक्षिणी इलाकों में सशस्त्र नक्सलियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। अभियान के तहत दक्षिण बस्तर क्षेत्र में डीआरजी की विशेष टीमों को रवाना किया गया था। ऑपरेशन के दौरान बीजापुर जिले में सुबह लगभग 5 बजे से डीआरजी और नक्सलियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी रही। वहीं, सुकमा जिले में भी सुबह लगभग 8 बजे सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग की स्थिति बनी हुई है। लगातार जारी मुठभेड़ों के बीच, अब तक तलाशी अभियान के दौरान मुठभेड़ स्थलों से कुल 14 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। इनमें बीजापुर जिले से 2 और सुकमा जिले से 12 माओवादी शामिल हैं। सुरक्षा बलों ने इन नक्सलियों के पास से एके-47, आईएनएसएएस और एसएलआर राइफल सहित कई अन्य हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए हैं। सुकमा में मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की संख्या और भी बढ़ सकती है।

नक्सली बारसे देवा का सरेंडर

सुकमा। नए साल की शुरुआत होते ही लाल आतंक को बड़ा झटका लगा है। शीर्ष नक्सली हिड़मा के करीबी और पीएलजीए कमांडर बारसे देवा ने आज शनिवार, 3 दिसंबर 2026 को तेलंगाना पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। नक्सली कमांडर बारसे देवा के सरेंडर के बाद की सबसे पहली तस्वीर सामने आई है। तेलंगाना पुलिस जल्द ही देवा के सरेंडर की आधिकारिक घोषणा करने वाली है। कल पीएलजीए कमांडर बारसे देवा के सरेंडर करने की सूचना मिली थी। बताया गया था कि आज वह तेलंगाना के डीजीपी के सामने हैदराबाद में आत्मसमर्पण करेंगे। बारसे देवा पर 50 लाख रुपये से अधिक का इनाम घोषित था। वह नक्सल संगठन के भीतर एक प्रभावशाली चेहरा माना जाता रहा है। हिड़मा के एनकाउंटर के बाद बारसे देवा को पीएलजीए का कमांडर बनाया गया था। इसके बाद से वह संगठन की सैन्य गतिविधियों में अहम भूमिका निभा रहे थे। बारसे देवा माओवादी पार्टी की सैन्य टुकड़ियों (सशस्त्र बलों) की गतिविधियों को संभाल रहा था। नक्सलियों की बटालियन नंबर 1 को संगठन की सबसे खतरनाक टीम माना जाता है, और इसका कमांडर बारसे देवा है।

माघ मेला का पहला दिन और पौष पूर्णिमा का स्नान महाकुंभ जैसा अद्भुत नजारा, संगम के तट पर उमड़े श्रद्धालु

प्रयागराज, 03 जनवरी [एजेंसी]।

पौष पूर्णिमा के पहले स्नान पर्व के साथ माघ मेले का शुभारंभ हो गया। ब्रह्म मुहूर्त से लोग संगम समेत सभी घाटों पर स्नान करने लगे। हर- हर गंगे का नाद गूंज उठा है। श्रद्धालुओं और कल्पवासियों का रेला निरंतर बढ़ता ही जा रहा है। श्रद्धा के साथ स्नान ध्यान और पूजन अर्चन और सभी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मां गंगा से याचना। भक्ति भाव से मां गंगा भी आह्लादित हैं। यह क्रम इसी तरह पूरे दिन बना रहेगा। अब तक लगभग हजारों लोगों ने स्नान कर लिया है। हालांकि जिलाधिकारी मनीष वर्मा का दावा है कि सुबह छह तक तीन लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। महाकुंभ में तैनात रहे पांच पीसीएस अधिकारियों की मेला क्षेत्र में तैनाती कर दी गई है। शासन स्तर से यह आदेश शुक्रवार को जारी हुआ और इनकी सूची भी जारी हो गई है। ये अधिकारी शनिवार से मेला क्षेत्र में ड्यूटी के लिए आ जाएंगे। इन पांच अधिकारियों में रामपुर में एसडीएम के पद पर तैनात आनंद कुमार कनौजिया की तैनाती माघ मेला क्षेत्र में की गई है, ये महाकुंभ में सेक्टर आठ के प्रभारी थे। चंदौली में तैनात एसडीएम विजय त्रिवेदी को भी यहां भेजा गया है, ये महाकुंभ अखाड़ा क्षेत्र सेक्टर 19 के मजिस्ट्रेट थे। इसी तरह महाकुंभ में अपनी सेवा दे चुके एसडीएम अमित त्रिपाठी, एसडीएम लाल सिंह यादव एवं रमेश पांडेय को भी माघ मेला की व्यवस्था देखने के लिए भेजा गया है।

पीएम मोदी और नेताओं ने सावित्रीबाई फुले को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी

नईदिल्ली 03 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी और शिक्षा के क्षेत्र में समाज में उनके योगदान को याद किया। सावित्रीबाई फुले कौन थीं। कवि और समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले को मॉडर्न भारत की पहली महिला टीचर के तौर पर जाना जाता है। 1831 में जन्मी सावित्रीबाई फुले की शादी 10 साल की उम्र में सोशल एक्टिविस्ट ज्योतिराव फुले से हुई थी।अपने पति के साथ मिलकर सावित्रीबाई ने महाराष्ट्र में महिलाओं के अधिकारों और शिक्षा को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई और एक ऐसी विरासत छोड़ी जो पूरे भारत में सामाजिक सुधार आंदोलनों पर असर डालती है। एक्स पर एक पोस्ट में, मोदी ने कहा, सावित्रीबाई फुले की जयंती पर, हम एक ऐसी पायनियर को याद करते हैं जिनका जीवन सेवा और शिक्षा के ज़रिए समाज को बदलने के लिए समर्पित था। वह बराबरी, न्याय और दया के सिद्धांतों के लिए कमिटेड थीं। उन्होंने कहा, उनका मानना था कि शिक्षा सामाजिक बदलाव का सबसे ताकतवर ज़रिया है और उन्होंने ज्ञान के साथ-साथ सीखने के ज़रिए ज़िंदगी बदलने पर ध्यान दिया। कमज़ोर लोगों की देखभाल में उनका काम भी काबिले-तारीफ़ है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने श्रद्धांजलि दी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी सोशल मीडिया पर सावित्रीबाई को श्रद्धांजलि दी और उन्हें देश बनाने की प्रेरणा बताया।

328 पावन स्वरूप मामले में पुलिस का एक्शन

पकड़े गए आरोपित सतिंदर कोहली के ठिकानों सहित 15 जगहों पर छापेमारी

अमृतसर। श्री गुरु ग्रंथ साहिब के 328 पावन स्वरूपों के गायब होने के मामले में पंजाब पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस कमिश्नर अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि इस प्रकरण में नामजद आरोपितों की धरपकड़ लगातार जारी है और मामले की निष्पक्ष व गहन जांच के लिए एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि अदालत के माध्यम से सभी नामजद आरोपितों के तलाशी वारंट हासिल कर लिए गए हैं। इसी कड़ी में शनिवार को पंजाब और चंडीगढ़ में कुल 15 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की जा रही है।

हम खाना-सोना भूल गए...

स्विट्ज़रलैंड में 40 लोगों की मौत के बाद बार मालिक ने तोड़ी चुप्पी

स्विट्ज़रलैंड, 03 जनवरी ।

स्विट्जरलैंड में नए साल का जश्न कई लोगों के लिए मातम में तब्दील हो गया। स्की रिजार्ट क्रांस-मोंटाना के बार में लगी आग ने कई लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में 40 लोगों की मौत हो गई और 119 लोग घायल थे। वहीं, बार के मालिक को भी इस घटना से गहरा धक्का लगा है। ले कॉन्स्टेलेशन बार के मालिक जैक्स मोरेटी अपनी पत्नी जेसिका के साथ मिलकर बार को मैनेज करते थे। जैक्स एक फ्रांसीसी नागरिक हैं, जो स्विट्जरलैंड में अपना बार चला रहे थे। उनका कहना है कि पिछले 10 साल में 3 बार निरीक्षण हो चुका है। ट्रिब्यून डी जिनेवा को दिए इंटरव्यू में जैक्स ने कहा, सबकुछ समय के मुताबिक चल रहा था। हादसे के दौरान जैक्स बार में नहीं थे, मगर उनकी पत्नी जेसिका मोरेटा उसी जगह पर मौजूद थीं। हादसे में उन्हें भी मामूली चोटें आईं हैं। जैक्स के अनुसार, इस घटना से हमें गहरा सदमा लगा है। हम सो नहीं पा रहे हैं और न ही खा पा रहे हैं। हम जांच में पूरा सहयोग करने का आश्वासन देते हैं। आग लगने का कारण अभी पूरी तरह से साफ नहीं है। हम इसका पता लगाने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं। बार के बेसमेंट में लगी आग धड़ल्ले से फैल गई, जिससे कई लोग अंदर ही फंस गए। शुरुआती जांच में पता चला है कि आग शैम्पेन की बोतलों पर लगी फाउंटेन कैंडल्स के कारण लगी थी।

थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर सिर्फ संथानकूडू उर्स की अनुमति कार्तिगई दीपम विवाद के बाद अदालत का फैसला

चेन्नई, 03 जनवरी [एजेंसी]।

मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित हजरत सुल्तान सिकंदर बदुशा दरगाह में आयोजित होने वाले धार्मिक आयोजनों को लेकर अहम आदेश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यहां केवल संथानकूडू उर्स पर्व आयोजित किया जा सकेगा और इसमें अधिकतम 50 लोगों की ही भागीदारी होगी। सुनवाई के दौरान तमिलनाडु सरकार ने अदालत को बताया कि 6 जनवरी को होने वाले संथानकूडू उर्स के लिए ही अनुमति दी जाएगी, जैसा कि वर्ष 2023 में किया गया था। सरकार ने यह भी साफ किया कि कंधूरी महोत्सव की इजाजत नहीं दी जाएगी। कोर्ट के आदेश के अनुसार, आयोजन के दौरान पशु बलि, मांस या मांसाहारी भोजन ले जाने और पकाने की अनुमति नहीं होगी। मामले में आगे की सुनवाई के लिए अदालत ने 20 जनवरी की तारीख तय की है। पिछले महीने संथानकूडू उत्सव के झंडारोहण को लेकर स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि अदालत के आदेश के अनुसार तमिल माह कार्तिगई में पहाड़ी पर कार्तिगई दीपम जलाया जाए।

इससे पहले मद्रास हाईकोर्ट द्वारा दीप स्तंभ पर दीप प्रज्ज्वलन के आदेश के बाद दो समुदायों के बीच तनाव बढ़ गया था, जो झड़प में बदल गया। हालात बिगड़ने के मद्देनज़र राज्य सरकार ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए इस आदेश को चुनौती दी थी। विवाद के बीच मदुरै में एक 40 वर्षीय व्यक्ति ने आत्मदाह कर लिया था। वह कार्तिगई दीपम न जलाए जाने के विरोध में प्रदर्शन कर रहा था। इस घटना के बाद मामला और संवेदनशील हो गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने इस घटना की निंदा करते हुए डीएमके सरकार पर हिंदू विरोधी रवैया अपनाने का आरोप लगाया।

बस्तर आ रहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

बस्तर। बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, कला, लोकपरंपराओं और विरासत के संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य से 'बस्तर पंडुम' का आयोजन इस साल भी किया जा रहा है। इसके अंतर्गत बस्तर संभाग में 10 से 20 जनवरी तक जनपद स्तरीय कार्यक्रम, 24 से 29 जनवरी तक जिला स्तरीय कार्यक्रम और 2 से 6 फरवरी तक संभाग स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। संभाग स्तरीय कार्यक्रम में ही राष्ट्रपति और गृहमंत्री शिरकत करेंगे। इस बार के बस्तर पंडुम में विशेष रूप से भारत के अलग-अलग देशों में कार्यरत भारतीय राजदूतों को आमंत्रित किए जाने पर भी चर्चा हुई, ताकि उन्हें बस्तर की अद्वितीय सांस्कृतिक धरोहर, परंपराओं और जनजातीय जीवन से अवगत कराया जा सके। कार्यक्रम 10 जनवरी से 5 फरवरी तक प्रस्तावित है।बस्तर पंडुम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और गृहमंत्री अमित शाह भी शिरकत करेंगे। वहीं एक दिन पहले 2 जनवरी को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दंतेवाड़ा में बस्तर पंडुम का लोगो और थीम गीत लॉन्च किया है। दरअसल, बस्तर पंडुम 2026 का आयोजन 10 जनवरी 2026 से 5 फरवरी 2026 तक तीन चरणों में प्रस्तावित

तमिलनाडु में खौफनाक वारदात, अज्ञात लोगों ने 53 वर्षीय व्यक्ति को लिव-इन पार्टनर के साथ जिंदा जलाया

नई दिल्ली। तमिलनाडु के तिरुवनमलाई जिले से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जिसमें अज्ञात लोगों ने एक 53 वर्षीय व्यक्ति और उसकी लिव-इन पार्टनर को झोंपड़ी में बंद करके आग लगा दी। इस हादसे में झोंपड़ी में बंद दोनों लोगों की मौत हो गई। इस खौफनाक वारदात में मृतकों की पहचान चेंगम के पास पक्कीरिपालयम गांव के निवासी किसान पी शक्तिवेल और उनकी लिव-इन पार्टनर 40 वर्षीय एस अमृतम के रूप में हुई है। चेंगम इंस्पेक्टर एम सेल्वराज ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि पक्कीरीपालयम में एक झोपड़ी पूरी तरह जलकर खाक हो गई है। सूचना मिलते ही एक टीम मौके पर पहुंची। टीम को वहां दो शव मिले, जो बुरी तरह जल चुके थे और उनकी पहचान करना मुश्किल था। पुलिस के साथ ही एक फोरेंसिक टीम भी वारदात की जगह पर पहुंची और सुराग जुटाने के लिए घटनास्थल की छानबीन की। इस जांच में एक खोजी कुत्ते की मदद भी ली गई। पुलिस ने बताया कि शवों का पोस्टमार्टम मौके पर ही किया गया। शुरुआती जांच में पता चला है कि शक्तिवेल तीन साल पहले अपनी पत्नी एस तमिलारसी से अलग हो गए थे। दंपति के दो बेटे और एक बेटी है। उनकी पत्नी अब अपने बच्चों के साथ बेंगलुरु में रहती हैं। सेल्वराज का अमृतम से तीन साल पहले रिश्ता शुरू हुआ था। अमृतम भी अपने पति से अलग रह रही थीं और उनके भी दो बेटे और एक बेटी है। इंस्पेक्टर ने बताया, हमने दो लोगों की संदिग्ध मौत का मामला दर्ज किया है। पति-पत्नी, जो अपने-अपने जीवनसाथी से अलग हो चुके थे, पिछले तीन साल से साथ रह रहे थे।

इंदौर की घटना को लेकर दिल्लीवासियों को पीने के पानी को लेकर चेतावनी

आप ने भाजपा सरकार पर लगाया लापरवाही का आरोप

नईदिल्ली 03 जनवरी ।

भाजपा शासित मध्यप्रदेश के इंदौर में जहरीला पानी पीने से हुई कई लोगों की मौत और कइयों के गंभीर रूप से बीमार होने की घटना ने दिल्ली समेत देश बड़े शहरों में रह रहे लोगों की चिंता बढ़ा दी है। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की जनता को इंदौर की घटना से सबक लेकर सचेत रहने की चेतावनी दी है। आप के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा कि इंदौर की घटना खतरे की बड़ी चेतावनी है। ऐसे में दिल्ली की जनता को भी पीने के पानी को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत है। मध्यप्रदेश समेत देश के लगभग सभी बड़े शहरों में भाजपा की सरकार है। पूरा देश इंदौर में भाजपा सरकार की लापरवाही को देख चुका है। इंदौर जैसी घटना दूसरे शहरों में भी संभव है।

सुबह-सुबह लगे भूकंप के झटके दहशत में घरों से बाहर निकले लोग

नईदिल्ली 03 जनवरी ।

उत्तर पूर्वी राज्य सिक्किम में के एक शहर सोरेंग में आज शनिवार, 3 जनवरी 2026 की

सुबह-सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 3.9 मापी गई है। सुबह 5 बजकर 58 मिनट पर यह भूकंप आया।भूकंप के झटकों से लोग दहशत में आ गए और अपने घरों से बाहर निकल आए। अभी तक मिली जानकारी के मुताबिक, इस घटना में किस तरह के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है। सिक्किम के सोरेंग में आज सुबह 5 बजकर 58 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बारे में जानकारी साझा की। इस भूकंप का केंद्र जमीन के अंदर 5 किलोमीटर तक था। सिक्किम में आए भूकंप की तीव्रता ज्यादा नहीं थी, इसलिए जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है। लेकिन फिर भी भूकंप आने पर सतर्कता बरतते हुए लोगों को घर से बाहर निकल आना चाहिए।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

लड़कियों पर भाजपा नेता के बयान से गरमाई सियासत, जीतनराम ने कहा- कार्रवाई होनी चाहिए

पटना, 03 जनवरी [एजेंसी]।

उत्तराखंड की मंत्री रेखा आर्य के पति गिरधारी लाल साहू के बयान पर बिहार की सियासत में उबाल आ गया है। विपक्षी दल राजद और कांग्रेस के अलावा एनडीए के साथी दलों जदयू और हम ने भी भाजपा नेता पर कार्रवाई की मांग की है। HAM के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि अगर कीमत लगाने की बात है तो बहुत निंदनीय है। शादी खुशी से होती है। अगर उसे खरीदने की बात कर रहे हैं, तो बहुत गलत है। उन पर कार्रवाई होनी चाहिए और क्षमा मांगने की बात होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सामान्य तौर पर हर राज्य में लोग एक-दूसरे राज्य में शादी करते हैं, लेकिन अगर कीमत लगाने की बात है तो यह निंदनीय है। शादी, कीमत से नहीं बल्कि पारस्परिक सौहार्द से होती है। उत्तराखंड की खेल मंत्री रेखा आर्य के पति गिरधारी लाल साहू का एक बयान वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रह हैं, बिहार में 20-25 हजार रुपये में लड़कियां मिल जाती हैं, कुंवारों के लिए बिहार से लड़कियां लेकर आएंगे। बताया जा रहा है कि यह वीडियो अल्मोड़ा जिले की सोमेश्वर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत स्याहीदेवी मंडल में आयोजित एक कार्यक्रम का है, जहां 23 दिसंबर को साहू ने शिरकत की थी। इस टिप्पणी के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। बड़ी संख्या में लोग वीडियो को साझा करते हुए साहू की मानसिकता पर सवाल उठा रहे हैं और इसे महिलाओं के सम्मान के खिलाफ बता रहे हैं।

मामले ने राजनीतिक तूल भी पकड़ लिया है। विपक्षी दलों ने इसे भाजपा की मानसिकता से जोड़ा है। वहीं भाजपा नेता का कहना है कि उनके बयान को तोड़ मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। बिहार के सहरसा से विधायक आईपी गुप्ता ने तो इनाम भी घोषित कर दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार की महिलाओं पर अमर्यादित टिप्पणी करने वाले उत्तराखंड के नेता को पकड़कर बिहार लाने वाले व्यक्ति को 10 लाख रुपये इनाम दूंगा।

प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना हेतु आवेदन आमंत्रित

कोरबा । जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित, कोरबा को प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस योजना के अंतर्गत जिले में निवासरत गरीबी रेखा सर्वे सूची में शामिल शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों से स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के उद्देश्य से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक किराना, मनिहारी, कपड़ा, नाई सैलून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, फैंसी स्टोर, मोटर मैकेनिक, साइकिल मरम्मत, टीवी, रेडियो, मोबाइल रिपेयरिंग, वाइंडिंग, मुर्गीपालन, बकरी पालन, सब्जी व्यवसाय, दोना-पत्तल निर्माण, लघु एवं कुटीर उद्योग सहित स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप किसी भी उपयुक्त व्यवसाय का चयन कर सकते हैं।

आवेदन के लिए आवेदक का कोरबा जिले का मूल निवासी होना आवश्यक है, जिसके लिए सक्षम अधिकारी द्वारा जारी मूल निवासी प्रमाण पत्र के साथ मतदाता परिचय पत्र, राशन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक पासबुक या बिजली बिल जैसे दस्तावेज संलग्न करने होंगे। आवेदक का अनुसूचित जाति वर्ग का होना भी अनिवार्य है, जिसके लिए जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार परिवार की वार्षिक आय सीमा अधिकतम दो लाख पचास हजार रुपये निर्धारित की गई है। आयु सीमा 18 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण स्वरूप पांचवीं, आठवीं या दसवीं की अंकसूची या कोई अन्य वैध दस्तावेज संलग्न करना आवश्यक है।

आवेदक को 50 रुपये के स्टाम्प पेपर पर शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि उसने किसी बैंक या वित्तीय संस्था से पूर्व में किसी प्रकार का ऋण या अनुदान प्राप्त नहीं किया है। इस शपथ पत्र की दो छायाप्रतियां आवेदन के साथ लगानी होंगी।

जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति द्वारा आवेदन परीक्षण उपरांत बैंक के माध्यम से ऋण स्वीकृत किया जाता है। व्यवसाय संचालन के लिए स्वीकृत ऋण पर भारत सरकार के मापदंडों के अनुसार स्वीकृत राशि का 50 प्रतिशत या अधिकतम पचास हजार रुपये, जो भी कम हो, अनुदान के रूप में उपलब्ध कराया जाएगा।

इच्छुक हितग्राही अपने संपूर्ण दस्तावेजों सहित कार्यालय कलेक्टर, जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित, कोरबा (छत्तीसगढ़) के प्रथम तल स्थित कक्ष क्रमांक 27 में आवेदन पत्र प्राप्त कर उसे पूर्ण रूप से भरकर जमा कर सकते हैं। अपूर्ण एवं अधूरे आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

महापौर राजपूत ने आवास योजना के 306 हितग्राहियों को प्रदान किए स्वीकृति पत्र

कोरबा। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने निगम कार्यालय साकेत में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 '' मोर जमीन-मोरी मकान '' बी.एल.सी. घटक के 306 हितग्राहियों को आवास स्वीकृति पत्र एवं भवन निर्माण अनुमति पत्र प्रदान किया। इस अवसर वरिष्ठ पार्षद एवं निगम के पूर्व सभापति श्री अशोक चावलानी, एम.आई.सी. सदस्य अजय गोंड़, ममता यादव, पार्षद पंकज देवांगन, रूबीदेवी सागर, धनश्रीअजय साहू, उर्वशी राठौर, अपर आयुक्त विनय मिश्रा, अधीक्षण अभियंता व नोडल अधिकारी सुरेश बरूआ उपस्थित थे। महापौर श्रीमती राजपूत ने हितग्राहियों को बधाई व शुभकामनाएं दी तथा समयसीमा में मकानों का निर्माण कार्य प्रारंभ कर निर्माण कार्य पूर्ण करने की सलाह हितग्राहियों को दी।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत '' मोर जमीन-मोर मकान '' बी.एल.सी. घटक अंतर्गत नगर निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत वर्तमान में 3582 नए हितग्राहियों को आवासगृहों की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। आज नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित सभा कक्ष में महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने 306 हितग्राहियों को आवासगृहों के स्वीकृति पत्र व भवन निर्माण अनुज्ञा पत्र प्रदान किया। इसके पूर्व विगत 326 हितग्राहियों को आवासगृह स्वीकृति व भवन अनुज्ञा पत्र महापौर श्रीमती राजपूत के द्वारा हितग्राहियों को प्रदान किए गए थे। इस मौके पर महापौर श्रीमती राजपूत ने हितग्राहियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को दिल से साधुवाद है कि उन्होने समाज के सभी वर्ग के लोगों के साथ-साथ विशेष रूप से गरीब, निर्धन व आर्थिक रूप से पिछड़े हुए लोगों के उत्थान के लिए, उनका जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए दर्जनों जनकल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित की है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के परिणाम स्वरूप देश के करोड़ों लोगों को पक्के मकान मिल चुके हैं तथा करोड़ों लोगों को आगे भी पक्के व सर्वसुविधायुक्त मकान मिलेंगे, जिससे देश का कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं रहेगा, जिसके पास अपना खुद का पक्का मकान न हों। महापौर श्रीमती राजपूत ने आगे कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सत्ता की बागडोर संभालते ही छत्तीसगढ़ के 18 लाख लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति दी थी, उन्हें साधुवाद है कि उनके द्वारा मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना के अंतर्गत 32850 रूपये की अतिरिक्त राशि ऐसे हितग्राहियों को दी जा रही है, जिनके द्वारा 18 माह के अंदर भवन का निर्माण कार्य पूरा किया जावेगा। उन्होने हितग्राहियों से कहा कि आप किसी की बातों से भ्रमित न हो, यदि आपसे कोई रूपये पैसे की मांग करता है और किसी प्रकार का प्रलोभन देता है तो उसकी बातों में आए बिना तुरंत अपने वार्ड पार्षद व निगम के अधिकारियों से संपर्क करें, आपके वार्ड पार्षद व निगम के अधिकारी आपका पूरा सहयोग करेंगे, आप समय-समय पर अपनी समस्याएं उन्हें अवश्य बताएं।

ट्रांसपोर्टर से लूटपाट और फॉर्च्यूनर में तोड़फोड़ में शामिल 3 नाबालिग समेत 6 आरोपी गिरफ्तार

कोरबा । कोरबा जिले में सिविल लाइन थाना क्षेत्र के डेंगुरनाला के पास ट्रांसपोर्टर के साथ लूटपाट और मारपीट की घटना का आरोप लगाया गया हैं। फॉर्च्यूनर वाहन में तोड़फोड़ का आरोप लगा हैं। आरोपियों ने चाकू की नोक पर पर्स और अन्य सामान लूट लिए। जानकारी के अनुसार पुलिस ने कार्यवाही करते हुए कुछ ही घंटों में 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार प्रार्थी टी.पी. नगर से अपना काम खत्म कर पथरीपारा स्थित अपने घर लौट रहा था। डेंगुरनाला के पास पहुंचते ही आधा दर्जन लोगों ने उनकी गाड़ी पर हमला कर दिया। उन्होंने गाड़ी रुकवाकर प्रार्थी के साथ मारपीट की और लूट को अंजाम दिया। पीड़ित ने तत्काल सीएसईबी चौकी पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने घटना के बाद आरोपियों की तलाश शुरू की और कुछ ही घंटों के भीतर छह लोगों को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों में तीन नाबालिग हैं, जबकि तीन बालिग हैं। पूछताछ में यह भी सामने आया कि इन आरोपियों ने प्रार्थी से पहले भी कई लोगों के साथ मारपीट और वाहनों में तोड़फोड़ की थी, लेकिन उन मामलों की शिकायत पुलिस में दर्ज नहीं हुई थी। गिरफ्तार बालिग आरोपी तीनों मित्र मादक द्रव्य पदार्थ का सेवन कर नशे में थे और वारदात को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने उनके कब्जे से चाकू, डंडा, बेल्ट और अन्य हथियार जब्त किए हैं। इस मामले में एडिशनल एसपी नीतिश ठाकुर ने बताया कि ट्रांसपोर्टर की शिकायत पर छह लोगों को पकड़ा गया है। इनमें तीन अपचारी बालक हैं, जबकि तीन बालिग आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया गया है।

सड़क सुरक्षा माह और महिला सुरक्षा सप्ताह : कैबिनेट मंत्री देवांगन व महापौर संजू देवी ने दिखाई हरी झंडी

कोरबा । कोरबा जिले में सड़क सुरक्षा माह और महिला सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर पुलिस कार्यालय परिसर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां गुम हुए 50 मोबाइल फोन उनके मालिकों को लौटाए गए और हेलमेट वितरित किए गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन और महापौर संजू देवी राजपूत ने हरी झंडी दिखाकर किया। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि सड़कों पर होने वाले हादसों को रोकने के लिए लोगों को यातायात नियमों की जानकारी देना आवश्यक है। उन्होंने सड़क सुरक्षा सप्ताह के कार्यक्रमों से जागरूकता बढ़ने की उम्मीद जताई और लोगों से मादक द्रव्य पदार्थ का सेवन कर नशे में वाहन न चलाने की अपील की। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने इस पहल को अच्छी सोच बताया। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा माह और महिला सुरक्षा सप्ताह के तहत एक महीने तक जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि साइबर सेल की मदद से लगभग 50 गुम हुए मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इन मोबाइलों को उनके वास्तविक मालिकों को सौंपा गया। उन्होंने यह भी बताया कि एक माह तक जागरूकता अभियान जारी रहेगा। मोबाइल फोन वापस मिलने पर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी और उन्होंने पुलिस विभाग का धन्यवाद किया। इस अवसर पर जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष योगेश जैन सहित प्रशासन, पुलिस अधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अलग-अलग सड़क हादसे में क्षतिग्रस्त हो गई दो कार

कोरबा । कोरबा जिले में घटित दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार घटित एक हादसे में दर्री थाना क्षेत्र में दो कारों की आमने-सामने की टक्कर हुई, जिसमें एयरबैग खुलने से तीन लोगों की जान बच गई। वहीं घटित दूसरे हादसे में बालको थाना क्षेत्र अंतर्गत एक कार बिजली के खंभे से टकराकर पलट गई, जिसमें दो लोग घायल हो गए। पहला हादसा दर्री थाना क्षेत्र के ओवरब्रिज पर घटित हुआ। जिसमे भाटापारा निवासी युवक अपनी डिजायर कार से कोरबा आ रहे थे, तभी सामने से आ रही एक वाहन से उनकी टक्कर हो गयी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कोरबा से आ रही डिजायर की दिशा बदल गई और उसका एक पहिया अलग हो गया।

दोनों कारों के इंजन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि, इस भीषण टक्कर के बावजूद, डिजायर में सवार तीन लोगों की जान एयरबैग खुलने के कारण बच गई और किसी को गंभीर चोट नहीं आई। दूसरा हादसा बालको थाना क्षेत्र के परसाभांठा मुख्य मार्ग पर हुआ। यहां एक कार बेकाबू होकर बिजली के खंभे से टकरा पलट गई। कार में चार लोग सवार थे। हादसे के बाद कार में सवार लोग किसी तरह बाहर निकले। इस दुर्घटना में दो लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सुबह होने पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई और उन्होंने बालको थाना पुलिस को सूचना दी।

कमिश्नर ने माध्यमिक शाला चैतमा व आंगनबाड़ी केंद्र कसनिया का किया निरीक्षण

शाला में पाठ्यक्रम संचालन और शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार हेतु दिए दिशा-निर्देश

कोरबा । बिलासपुर संभाग आयुक्त श्री सुनील जैन ने जिले के एकदिवसीय प्रवास के दौरान पाली विकासखण्ड के माध्यमिक शाला चैतमा एवं कटघोरा के आंगनबाड़ी केंद्र कसनिया का निरीक्षण कर बच्चों की दर्ज संख्या और उपस्थिति की जानकारी ली।माध्यमिक विद्यालय चैतमा का निरीक्षण के दौरान कमिश्नर श्री जैन ने शिक्षकों से बच्चों की पढ़ाई, पाठ्यक्रम की प्रगति और अर्धवार्षिक परीक्षा की तैयारी की जानकारी ली। उन्होंने पाठ्यक्रम संचालन और शैक्षणिक गुणवत्ता को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश भी प्रदान किए।इसी प्रकार आंगनबाड़ी केंद्र कसनिया निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने केंद्र में बच्चों की दर्ज संख्या एवं उपस्थिति का आंकलन किया। उन्होंने आंगनबाड़ी कर्मचारियों को बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ाने तथा पोषण और शिक्षा कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए निर्देशित किया।इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री ओंकार यादव, सम्बंधित एसडीएम , तहसीलदार सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

जिले की पावन धरा पर 51 हजार पार्थिव शिवलिंगों से गूंजेगा ' नमः शिवाय '

कोरबा । कोरबा की पावन धरा पर एक बार फिर भक्ति, श्रद्धा और जनकल्याण का भव्य संगम देखने को मिलेगा, जनकल्याण और आध्यात्मिक उन्नयन के उद्देश्य से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 51 हजार पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं पूजन-अभिषेक का विराट आयोजन किया जा रहा है।

यह पावन अनुष्ठान श्री संवत 2082, माघ मास, शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी अर्थात महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर संपन्न होगा। आयोजन के तहत 30 जनवरी 2026, शुक्रवार को पार्थिव शिवलिंग निर्माण किया जाएगा, जबकि 31 जनवरी 2026, शनिवार को विधिवत पूजन, अभिषेक, हवन एवं प्रसाद वितरण का आयोजन होगा। यह समस्त धार्मिक कार्यक्रम दुर्गा पंडाल, सिंचाई कॉलोनी, आईटीआई रामपुर, कोरबा में आयोजित किया जाएगा।

इस पावन आयोजन का आचार्यत्व ज्योतिषाचार्य प्रदीप महाराज द्वारा किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार भगवान भोलेनाथ की विधि-पूर्वक आराधना से जीवन में सुख-शांति, समृद्धि की प्राप्ति होती है तथा कालसर्प दोष, पितृ दोष और अकाल मृत्यु जैसे कष्टों से मुक्ति मिलती है। आयोजक समिति ने जिले के समस्त शिवभक्तों एवं धर्मानुरागी साधकों से अपील की है कि वे अपने परिवार और इष्ट मित्रों सहित इस पुण्य आयोजन में सहभागिता कर पुण्य लाभ अर्जित करें। यजमानों के लिए आवश्यक समस्त पूजन सामग्री आयोजक समिति द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। यजमान बनने के इच्छुक श्रद्धालु पं. अश्वनी प्रसाद तिवारी (9827479241), खगेश देवांगन (9691278136) एवं प्रदीप शास्त्री (8815709543) से संपर्क कर सकते हैं।

कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का दायित्व पं. विष्णुकांत मिश्रा (9644327999) के पास है। इस आयोजन में महिला मंडल समिति, नया शिव मंदिर, सिंचाई कॉलोनी, आईटीआई रामपुर का विशेष सहयोग रहेगा। आयोजन समस्त शिव भक्त, कोरबा द्वारा किया जा रहा है।

आयुक्त एवं रोल ऑब्जर्वर सुनील जैन ने विभिन्न मतदान केंद्रों का किया अवलोकन

कोरबा ।निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026) के अंतर्गत आयुक्त एवं रोल ऑब्जर्वर बिलासपुर संभाग श्री सुनील जैन द्वारा कोरबा जिले के विधानसभा क्षेत्रों के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान विधानसभा पाली-तानाखार के मतदान केंद्र क्रमांक 209 माध्यमिक शाला चैतमा एवं 183 प्राथमिक शाला सुतर्रा, कटघोरा विधानसभा के मतदान केंद्र क्रमांक 33 प्राथमिक शाला कसनिया एवं 34 माध्यमिक शाला कसनिया, कोरबा विधानसभा के मतदान केंद्र क्रमांक 77 स्वामी आत्मानंद विद्यालय कोहड़िया, तथा रामपुर विधानसभा के मतदान केंद्र क्रमांक 87 प्राथमिक शाला भवन गोढ़ी का अवलोकन किया गया।संभाग आयुक्त श्री जैन ने केंद्रों पर प्रारंभिक रूप से प्रकाशित मतदाता सूची का गहन निरीक्षण कर दर्ज मतदाताओं की जानकारी ली। इस दौरान स्थानांतरित एवं अनुपस्थित मतदाताओं के संबंध में संबंधित बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) से विस्तृत विवरण प्राप्त की गई।

निरीक्षण के क्रम में आयुक्त द्वारा विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) से प्रकाशित मतदाता सूची के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान बीएलए को स्थानांतरित एवं अनुपस्थित मतदाताओं से संपर्क स्थापित कर उनके कारणों की जानकारी प्राप्त करने तथा मतदाता सूची को अधिक सटीक एवं अद्यतन बनाने में सहयोग करने के निर्देश दिए गए। आयुक्त एवं रोल ऑब्जर्वर श्री जैन ने कहा कि आगामी निर्वाचन प्रक्रिया में सभी पात्र नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना आवश्यक है।उन्होंने सभी बीएलओ को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने निर्देश दिए कि स्थानांतरित मतदाताओं से सक्रिय रूप से संपर्क किया जाए, नोटिस वाले प्रकरणों में संबंधित मतदाताओं को समय पर सूचना दी जाए तथा दावादृआपत्ति प्राप्त कर उनका नियमानुसार निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही नाम जोड़ने हेतु प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति के बाद शीघ्र कार्रवाई पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। मतदाता जागरूकता बढ़ाने के लिए दावा आपत्ति की अंतिम तिथि के सम्बंध में मुनादी एवं अन्य प्रचार माध्यमों से अधिक से अधिक नागरिकों को जागरूक करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री देवेंद्र पटेल, श्री ओंकार यादव, सम्बंधित अनुविभाग के एसडीएम, तहसीलदार, सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी, बीएलए उपस्थित थे।

समय पर बारिश और बेहतर सरकारी व्यवस्था से खुशहाल हुए किसान कृपाल सिंह

कोरबा । कोरबा विकासखंड के ग्राम तरदा निवासी किसान कृपाल सिंह लगभग 7 एकड़ जमीन में धान की खेती करते हैं। इस वर्ष समय पर अच्छी बारिश होने से उनकी खेती बिना किसी बाधा के सफल रही। परिवार के साथ मिलकर की गई मेहनत का परिणाम कुछ ही महीनों में खेतों में लहलहाती फसल के रूप में दिखाई देने लगा। खेत में लहलहाती फसल को देखकर उन्हें बेहद खुशी होती थी, क्योंकि यह सिर्फ धान नहीं बल्कि उनकी उम्मीदों और परिश्रम का फल था।कृपाल सिंह बताते हैं कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों को सही मूल्य मिलने की गारंटी होने से उनकी अपेक्षाएँ भी बढ़ी थीं। जब फसल पूरी तरह तैयार हो गई, तो उन्होंने अपना धान उपार्जन केंद्र कनकी में बेच दिया। लगभग 7 एकड़ में हुई खेती से उन्हें 100 क्विंटल से अधिक धान प्राप्त होता है, जिसमें से कुछ वे अपनी जरूरत के लिए रखकर बाकी बेच देते हैं।उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष धान बिक्री से प्राप्त राशि से उन्होंने कुछ जमीन भी खरीदी थी।

किसान की बेटी का बीएसएफ में हुआ चयन-ग्राम में खुशी की लहर

कोरबा । कोरबा जिला पाली विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम लाफा के आश्रित दादर निवासी एक छोटे कृषक सुखीदास एवं गृहणी रामबाई की प्रभा तीसरी नंबर की पुत्री है। पिता किसानी कार्य के साथ मिस्त्री भी है। 22 वर्षीय प्रभा महंत ने गरीबी को नजदीकी से देखी है, परिस्थिति से लड़ी और अपने अंदर हौसला रखी। दिल में सफलता हासिल करने की तमन्ना लिए निरंतर अध्ययन करती रही। ईमानदारी के साथ पढ़ाई की जिसका परिणाम आज गांव व जिला में सामने है। पश्चिम बंगाल में कड़ा प्रशिक्षण पूरा कर प्रभा जब अपने ग्राम लौटी तब लोगों में गर्व के साथ खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने मिठाईयां बांटी व बधाईयां दी। अपनी सफलता को लेकर प्रभा महंत ने कहा कि मां-पिता के आशीर्वाद व समर्थन और खुद के कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प से गरीबी की बाधाओं को पार करते हुए विपरीत परिस्थितियों में भी हार नही मानी, तब जाकर अपने सपने को पूरा की हूँ। पिता सुखीदास ने बताया कि प्रभा बचपन से पढ़ाई में मेघावी के साथ-साथ खेलकूद के गतिविधियों में शामिल रहा करती थी। विश्वास था कि एक दिन मेरी बेटी जरूर नाम रोशन करेगी जो आज सच साबित हो गया। यह छोटे से गांव दादर सहित पाली क्षेत्र के लिए बड़े गौरव की बात है और क्षेत्रवासियों की जुबां पर प्रभा का ही नाम है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं एनकोर्ड की बैठक प्रत्येक माह के प्रथम मंगलवार को

कोरबा । जिला में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने तथा शहर में बढ़ते यातायात को सुगम बनाने के उद्देश्य से जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक एवं एनकोर्ड की बैठक अब प्रत्येक माह के प्रथम मंगलवार को आयोजित की जाएगी।यह बैठक समय-सीमा की बैठक के पश्चात कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न होगी। यदि किसी अपरिहार्य कारणवश अथवा अवकाश की स्थिति में बैठक आयोजित करना संभव नहीं होगा, तो इसे द्वितीय मंगलवार को रखा जाएगा।इन बैठकों के माध्यम से सड़क सुरक्षा, यातायात प्रबंधन एवं नशीले पदार्थों की रोकथाम से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विभागीय अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे, जिससे आम नागरिकों की सुविधा एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बोईदा हुआ गौरा गौरी का विसर्जन

कोरबा । कोरबा जिले के ग्राम बोईदा में पांच दिवसीय गौरी-गौरा विसर्जन पारंपरिक आस्था के साथ संपन्न हुआ। यह 45 वर्षों से चली आ रही परंपरा है, जिसमें कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल भी शामिल हुए।

हरदीबाजार से सटे ग्राम बोईदा के आनंद नगर में ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा गया। पारंपरिक वेशभूषा में सजे ग्रामीण मांदर-ढोल और लोकगीतों के साथ भव्य शोभायात्रा में शामिल हुए। यह शोभायात्रा आनंद नगर से शुरू होकर गुड़ी चौक, गौंटिया पारा होते हुए बड़े तालाब पहुंची। जहां विधिवत पूजा-अर्चना के बाद गौरा-गौरी की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। लोक मान्यताओं के अनुसार, शोभायात्रा के सामने महिलाएं जमीन पर लेटकर अपनी मनोकामना पूरी होने की कामना करती हैं। इस दौरान कई महिलाओं ने इस परंपरा का निर्वहन किया।

आयुक्त एवं रोल ऑब्जर्वर ने राजनीतिक दलों को दी विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर की विस्तृत जानकारी

कोरबा । आयुक्त व रोल ऑब्जर्वर बिलासपुर संभाग श्री सुनील जैन तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुणाल दुदावत की उपस्थिति में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयुक्त एवं रोल ऑब्जर्वर द्वारा निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की स्पष्ट मंशा है कि कोई भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से न कटे और किसी भी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में न जुड़ने पाए। विशेष गहन पुनरीक्षण अंतर्गत 22 जनवरी तक दावा-आपत्तियाँ आमंत्रित की गई हैं। मृत मतदाताओं एवं दो स्थानों पर दर्ज मतदाताओं के नाम विलोपित किए जा रहे हैं। एसआईआर प्रक्रिया के अंतर्गत 'सी' श्रेणी में सम्मिलित मतदाताओं से भी दावा-आपत्ति आमंत्रित की गई है।उन्होंने बताया कि नाम जोड़ने, एक स्थान से दूसरे स्थान पर शिफ्ट करने एवं अन्य आवश्यक सुधार के लिए आवेदन किया जा सकता है। प्राप्त आवेदनों की सुनवाई उपरांत पात्र पाए गए आवेदकों के अनुसार मतदाता सूची संशोधित की जाएगी।आयुक्त एवं रोल ऑब्जर्वर श्री जैन ने राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि एसआईआर की प्रक्रिया में बूथ लेवल असिस्टेंट (बीएलए) का सहयोग महत्वपूर्ण है, अतः वे क्षेत्र के बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के साथ समन्वय स्थापित करें ताकि कोई भी पात्र मतदाता आवेदन से वंचित न रहे।बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझावों को आयुक्त एवं रोल ऑब्जर्वर ने गंभीरता से सुना। दलों द्वारा मृत, शिफ्टेड तथा अनुपस्थित मतदाताओं की सूची बीएलए के पास उपलब्ध कराने की मांग पर उन्होंने बताया कि यह सूची बीएलए के पास उपलब्ध है तथा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उसका अवलोकन कर सकते हैं।बूथ और भाग संख्या में परिवर्तन के कारण मतदाताओं को नाम खोजने में आ रही कठिनाइयों तथा नए व पुराने भाग संख्या की सूची उपलब्ध कराने संबंधी मांग पर उन्होंने उप निर्वाचन अधिकारी को आवश्यक सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।उन्होंने स्पष्ट कहा कि उद्देश्य यही है कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम न छूटे और किसी अपात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में न जुड़े।बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, अपर कलेक्टर श्री देवेंद्र पटेल, संयुक्त कलेक्टर श्री ओंकार यादव, डिप्टी कलेक्टर श्री तुलाराम भारद्वाज सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नेताजी फर्नीचर दुकान में सीढ़ी से गिरे मजदूर की इलाज के दौरान मौत

सड़क पर शव रखकर मुआवजे की मांग को लेकर चक्काजाम

जांजगीर-चांपा । नए साल के दूसरे दिन जांजगीर के हदय स्थल नेताजी चौक स्थित नेताजी फर्नीचर दुकान में सीढ़ी से गिरे एक मजदूर की मौत इलाज के दौ दौरान हो गई। घटना से आक्रोशित परिजनों ने बीच सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। चौक पर चारों तरफ से आवागमन बंद होते ही गाड़ियों की लंबी कतारें लग गई। इस बीच पुलिस व प्रशासनिक अफसरों की समझाईश तथा पीड़ित परिवार को तत्कालिक तौर पर 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के उपरांत मामला शांत हुआ। यह चक्का जाम का लगभग 2 घंटे चली इसके बाद जांजगीर से चांपा, अकलतरा सहित अन्य मार्गो पर वाहनों की आवाजाही प्रारंभ हो सकी।

इस संबंध में सिटी कोतवाली जांजगीर से मिली जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय जांजगीर से लगे ग्राम खोखसा निवासी हरिचरण प्रधान विगत 15 सालों से नेताजी चौक स्थित फर्नीचर दुकान में काम करता था। शुक्रवार 2 जनवरी को काम के दौरान सीढ़ी से फिसलने पर उसके पैर में गंभीर चोटें आई। जिसे इलाज के लिए उसे चांपा स्थित नायक नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान शुक्रवार 2 जनवरी को शाम के समय उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में भारी आक्रोश फैल गया। वे सड़क पर शव रखकर बैठ गए। परिजन नेताजी फर्नीचर के संचालक को हादसे के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए मुआवजे की मांग पर अड़े रहे। प्रदर्शन के कारण नेताजी चौक पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। इधर मामले की सूचना मिलते ही जांजगीर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को धरना प्रदर्शन नहीं करने की चेतावनी देते रहे। इस बीच परिजन लगातार मुआवजे की मांग पर अड़े रहे। साथ ही साथ जमकर नारेबाजी भी की। माहौल को तनावपूर्ण देखते हुए पर्याप्त संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गई थी। इस बीच दुकान संचालक के द्वारा 50 हजार रुपए की तत्काल सहायता राशि दिए जाने पर मामला शांत हुआ। इसके बाद मृतक हरिचरण के शव का पंचनामा उपरांत पोस्टमार्टम की कार्रवाई के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। बताया जाता है की स्वर्गीय हरिचरण प्रधान के निधन पर दुकान संचालक द्वारा 10 लाख रुपए देने की बातें स्वीकार की गई है इसके बाद चक्का जाम समाप्त किया गया।शाम 5 बजे हरिचरण प्रधान के शव को रखकर उनके परिजन लगभग 3 घंटे तक चक्का जाम करते रहे। इससे शहर के लोग पूरी तरह से प्रभावित हुए किंतु जिला मुख्यालय में शहर के हृदय स्थल पर हुए इस हादसे को लेकर यहां पदस्थ कलेक्टर माहोंबे ने ना तो मामले को सुलझाने के लिए कोई पहल किया और ना ही पुलिस अधीक्षक ने व्यवस्था को ठीक करने के लिए कोई पहल की। नतीजा यह रहा कि 3 घंटे से शहर में बीच सड़क पर मुर्दे को रखकर हंगामा होता रहा। अगर जिला प्रशासन चाहती तो मामले को चंद मिनटों में ही सुलझा लिया गया होता। अच्छा हुआ कि इस के बाद कोई बड़ी वारदात नहीं हुआ।

घर पर खड़ी कार का फास्टटैग से कट गया टैक्स

एनएच 49 पर पाराघाट टोल प्लाजा का मामला

जांजगीर-चांपा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल प्लाजा में वसूली की अंधेरगर्दी का मामला सामने आया है। दरअसल जिले के एक वाहन मालिक की कार घर पर ही खड़ी थी और नए साल के पहले दिन उनके रजिस्टर्ड मोबाइल पर 80 रुपए टोल टैक्स कटने का संदेश प्राप्त हुआ। बताया जाता है कि टोल टैक्स जांलगीर और बिलासपुर के बीच पाराघाट प्लाजा में कटा है। इसको लेकर उन्होंने कड़ी आपत्ति जाहिर करते हुए शिकायत की है।

इस संबंध में मिली शिकायत के अनुसार जिला मुख्यालय जांजगीर से लगे ग्राम सरखों निवासी विजेन्द्र साहू की कार के फास्टटैग में रजिस्टर्ड मोबाइल पर नए साल 2026 के पहले दिन ही गुरूवार 1 जनवरी की सुबह एक मैसेज आया। प्राप्त मैसेज में उसके कार क्रमांक सीजी 11 बीएल 4069 के नाम से पाराघाट टोल प्लाजा में 80 रुपए फास्टटैग के माध्यम से काटे जाने की जानकारी थी। इस मैसेज को देखने के बाद विजेन्द्र साहू चकित रह गए, क्योंकि उनकी कार पूरे दिन से घर के बाहर ही खड़ी थी। ऐसे में उन्हें यह समझते जरा भी देर नहीं लगा कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर बिना सफर किए ही पाराघाट टोल प्लाजा में उनके कार के नाम से टोल टैक्स कट गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार उनके मोबाइल पर यह मैसेज सुबह प्राप्त हुआ था। जिसमें सुबह 8ः03 बजे वाहन के टोल प्लाजा पार करने का मैसेज आया, जबकि उसी समय उनकी कार घर पर ही खड़ी थी। वाहन में लगे जीपीएस के आधार पर उन्होंने फोटो भी सुरक्षित किया है। उनका कहना है कि संबंधित नंबर से सिर्फ उनकी ही गाड़ी पंजीकृत है, ऐसे में या तो नंबर का दुरुपयोग हुआ है अथवा टोल कर्मचारियों द्वारा जबरन टोल काटा गया है। पीड़ित ने मामले में शिकायत नैला थाने में दी है साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया है कि उक्त नंबर से टोल काटने वाली किसी भी गाड़ी से यदि कोई आपराधिक घटना या दुर्घटना होती है, तो उसकी जिम्मेदारी उनकी नहीं होगी।

उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व भी राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 49 में टोल प्लाजा में फास्ट टैग से वाहनों में अधिक टैक्स कटने की शिकायतें मिल चुकी है। वहीं अबकी बार रजिस्टर्ड वाहन के घर पर ही खड़े खड़े होने के बावजूद हाइवे टोल टोल पर टैक्स की राशि आनलाइन फास्ट टैग से कटने के इस नए मामले में कई तरह के सवाल खड़े कर दिए है। कुल मिलाकर कारण चाहे जो भी हो लेकिन घर पर खड़ी गाड़ी का फास्ट टैग से टोल प्लाजा पर टैक्स कटने के इस नए मामले में टोल प्लाजा में कार्यरत स्टाफ की कार्यशैली पर कई तरह के सवाल खड़े कर दिए है। इसको लेकर शिकायतें भी हुई है।

नशे में घर लौटी पत्नी तो पति व बेटी ने पीटा, मौत

अंबिकापुर। शहर के घुटरापारा इलाके में महिला की उसके ही पति और बेटी ने मिलकर इतनी बेरहमी से पिटाई की कि उसकी जान चली गई।

पुलिस ने मृतका की मां की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घुटरापारा निवासी दुर्गा हरि (44 वर्ष) शराब पीने की आदी थी और अक्सर बिना बताए घर से लापता हो जाती थी। वह बीते 21 दिसंबर से घर से लापता थी। पति धन्नू हरि और परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला।

दुर्गा शराब के नशे में धुत होकर वापस घर पहुंची। इस बात से नाराज होकर पति धन्नू और उसकी बेटी ने मिलकर दुर्गा की पिटाई कर दी। पिटाई के कारण दुर्गा बेहोश हो गई, लेकिन परिजनों ने उसे तुरंत अस्पताल ले जाने के बजाय एक दिन तक घर में ही रखा।

जिले में दो जगह खुलेगा ड्राइविंग स्कूल, वाहन फिटनेस सेंटर भी बनेगा

जांजगीर। जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर पहल होने जा रही है। जिले में जल्द ही दो मोटर ड्राइविंग स्कूल खोले जाएंगे। इससे वाहन चालकों को व्यवस्थित और सुरक्षित ड्राइविंग की ट्रेनिंग मिलेगी।केन्द्रीय परिवहन इंस्ट्रक्टर्स से इसकी मंजूरी मिल गई है। साल 2026 में जिले के दो जगहों पर ड्राइविंग स्कूल व आरटीओ कार्यालय में वाहन फिटनेस सेंटर खोले जाएंगे, ताकि यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़े, चालक प्रशिक्षण बेहतर हो और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए।

8 माह से फरार लूट का आरोपी गिरफ्तार सब्जी लेने जा रहे युवक से की थी मारपीट

बाराद्वार। सब्जी लेने जा रहे युवक से लूट और मारपीट के मामले में पुलिस ने 8 माह से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला बाराद्वार थाना क्षेत्र का है।

बम्हनीडीह के सोंठी निवासी सुमीत कुमार पटेल उम्र 29 वर्ष ने 5 मार्च 2025 को बाराद्वार थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, वह सुबह करीब 6:10 बजे सक्ती सब्जी मार्केट जा रहा था। इसी दौरान सकरेली ओवरब्रिज के ढलान पर एक युवक ने लिफ्ट मांगी। मोटरसाइकिल रोकते ही वहां दो अन्य युवक पहुंच गए और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने सब्जी लटकाने वाले डंडे से हमला कर प्रार्थी के सिर पर चोट पहुंचाई और उसकी पैंट की जेब से पर्स निकालकर 5300 रुपये

लूटकर फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल कुमार ठाकूर के मार्गदर्शन, एएसपी हरीश यादव एवं उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अंजली गुप्ता के निर्देशन में बाराद्वार पुलिस लगातार आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। 2 जनवरी को आरोपी के घर आने की सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने उसे हिरासत में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दियां गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने पहले ही दो आरोपियों राजकुमार यादव (22 वर्ष) एवं अजय कुमार खुंटे (19 वर्ष), दोनों निवासी वार्ड क्रमांक 09 बाराद्वार को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया था। तीसरा आरोपी गोलू उर्फ दातादास महंत घटना के बाद से फरार था।

ज्ञानकुंज स्कूल सकरेली में मनाया गया छेरछेरा त्योहार छात्रों को धान भेंट किए

बाराद्वार। ग्राम पंचायत सकरेली में स्थित ज्ञानकुंज पब्लिक हायर सेकण्डरी स्कूल में छत्तीसगढ़ के लोक पर्व पौष-पुन्नी छेरछेरा त्योहार बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम अन्न देवता एवं छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना की गई, जिसके बाद विद्यालय के प्राचार्य दुलीचंद साहू ने विद्यार्थियों को छेरछेरा त्यौहार के महत्त्व को बताते हुए शांतिपूर्ण ढंग से अपने दोस्तों एवं परिवार के साथ छेरछेरा त्यौहार मनाने की कहा गया एवं सभी छात्रों को धान भेंट किया गया। इस अवसर पर राकेश कुमार यादव, जीडी वैष्णव, अरविंद यादव, ममता खूंटे, कौशल्या यादव, सारिका यादव, संगीता यादव, गोपी राम यादव, मिथलेश यादव, धनंजय कुमार दिव्य, गौरी खूंटे, गुलाबी सहित सभी शिक्षक व छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

कौशल टंडन का निधन

अकलतरा। ग्राम पोंड़ी दलहा के प्रतिष्ठित नागरिक कौशल टंडन का 31 दिसंबर को हृदयाघात से आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे दो पुत्र एवं एक पुत्री सहित भरा पुरा परिवार छोड़ गये। वे प्रारंभ से ही मेघावी छात्र रहे तथा अध्ययन काल में गोल्ड मेडलिस्ट एवं मेरिट लिस्ट में स्थान बनाया था। वर्तमान में पंचायती राज में महिलाओं की भुमिका पर पीएचडी कर रहे थे। उनका अंतिम संस्कार गृहग्राम पोडीदल्हा में किया गया। अंतिम यात्रा में परिजन एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में शामिल हुए। वे क्षेत्र की प्रतिष्ठित पत्रकार सीता टंडन के पति थे।

धान खरीदी केंद्र से नहीं हो रहा धान का उठाव, प्रभारी परेशान

देवरी-चांपा। सेवा सहकारी समिति मर्यादित कड़ारी में संचालित धान खरीदी केंद्र से समय पर धान का उठाव नहीं होने के कारण केंद्र प्रभारी की परेशानी बढ़ गई है।

केंद्र प्रभारी अनमोल सिंह ठाकुर ने बताया कि 12 दिसंबर से 30 दिसंबर तक की अवधि के लिए धान उठाव का डिलीवरी ऑर्डर (डीओ) पहले ही जारी किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि 12 दिसंबर को एक वाहन के माध्यम से धान का उठाव किया गया था, लेकिन इसके बाद बीते 18 दिनों में एक भी वाहन केंद्र तक नहीं पहुंचा। कड़ारी धान खरीदी केंद्र से लगभग 8 हजार बोरियों के उठाव का डीओ जारी होने के बावजूद अब तक धान का परिवहन नहीं हो पाया है। धान खुले में रखे होने के कारण वह लगातार सूख रहा है, जिससे उसकी गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है।

धान से भरा ट्रैक्टर कार को रौंदते हुए नाली में जा घुसा

बरमकेला। बरमकेला थाना क्षेत्र में एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते बचा। बुदेली सेवा सहकारी समिति एवं गौठान मार्ग स्कूल के पास एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सामने से आ रही कार को टक्कर मारते हुए सड़क किनारे बनी नाली में जा घुसा। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई, हालांकि घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

यह ट्रैक्टर धान से भरा हुआ था और रामेश्वर पटेल द्वारा इसे बुदेली में सेवा समिति में बेचने के लिए लाया जा रहा था। अचानक तेज मोड़ पर वाहन चालक संतुलन खो बैठा, जिससे यह हादसा हुआ।

प्रांत स्तरीय सम्मेलन को लेकर प्रांतीय संगठन मंत्री एवं प्रांताध्यक्ष ने ली बैठक

चांपा। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ से संबद्ध छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ के तत्वावधान में प्रांतीय स्तरीय शिक्षक सम्मेलन एवं शैक्षिक संगोष्ठी का आयोजन 3 एवं 4 जनवरी को रायगढ़ में किया जा रहा है। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रदेश के जिलों एवं संभागों से समस्त जिला एवं संभागीय पदाधिकारियों सहित शिक्षक प्रतिनिधि बड़ी संख्या में सहभागिता करेंगे। 3 जनवरी को प्रांतीय अधिवेशन एवं वैचारिक सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका, पंच परिवर्तन एवं शिक्षक दायित्व जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-मंथन होगा। 4 जनवरी को नगर निगम ऑडिटोरियम, रायगढ़ में समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में ओ.पी. चौधरी वित्त मंत्री छत्तीसगढ़ शासन तथा अध्यक्षता गजेन्द्र यादव शिक्षा मंत्री छत्तीसगढ़ शासन करेंगे। कार्यक्रम में देवेन्द्र प्रताप सिंह राज्यसभा सांसद, राधेश्याम राठिया सांसद, रायगढ़, श्रीमती रूप कुमारी चौधरी सांसद, महासमुंद एवं श्रीमती कमलेश जांगड़े सांसद, जांजगीर-चांपा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ के प्रांतीय संगठन मंत्री ओंकार सिंह ठाकुर, प्रांताध्यक्ष संजय ठाकुर, कार्यकारी प्रांताध्यक्ष उमेश गोस्वामी, महामंत्री मनोज राय सहित समस्त प्रांतीय पदाधिकारियों ने प्रदेश के सभी जिला, संभाग एवं विकासखंड के पदाधिकारियों एवं शिक्षक साथियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने का आग्रह किया है।

प्रांतीय मंत्री डॉ. भुवनेश्वर देवांगन एवं जिलाध्यक्ष डॉ. रविन्द्र द्विवेदी ने बताया कि संगठन से जुड़े सभी शिक्षक साथियों एवं सहयोगियों को रायगढ़ महासम्मेलन में आने-जाने के लिए बस की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। प्रांतीय महासम्मेलन को सफल बनाने में जिला मुख्यालय से विनोद कुमार पाण्डेय, शंकर लाल पाण्डेय, चांपा से जिला सचिव लक्ष्मीनारायण तिवारी, राजेन्द्र जायसवाल, प्रदीप श्रीवास, बलौदा से संतोष साव, बम्हनीडीह से धन्य कुमार पाण्डेय, रामकिशोर देवांगन, उमाशंकर खुटे, पामगढ़ से निधिलता जायसवाल, श्रीमती रीता सिंह, अकलतरा से जीवन यादव नवागढ़ से जिला कोषाध्यक्ष लोमस श्रीवास, सतीश साहू, अश्वनी तिवारी, देवीप्रसाद शर्मा, सहित बसावन लहरे, सतीष कुमार भारद्वाज, अनिल पाण्डेय, लखन कश्यप, अजय चौबे, श्रीमती पूर्णिमा शुक्ला एवं समस्त प्रतिनिधिगण सक्रियता के साथ जुटे हुए हैं।

ओपन चैलेंज टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

शिवरीनारायण। खेल प्रेमियों के लिए क्षेत्र में ओपन चैलेंज टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता 2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है, जिसमें जिले एवं प्रदेश की नामी-गिरामी टीमें अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। प्रतियोगिता का उद्घाटन अन्तर्राष्ट्रीय कथा व्यास राजकुमार शर्मा (सरवानी वाले) ने किया। इस अवसर पर प्रकाश बिल्लू बंसल, ओमप्रकाश शर्मा, बसंत देवांगन, पिंटू भट्ट, ओमप्रकाश साहू, टी आर कुरें, अजय बंजारे, कोमल साहू, प्रीति रोहिदास, उग्रेश्वर गोपाल केवट, अजय केवट, विमल सारथी, सुंदर्शन मानिकपुरी, विकास केवट, आनंद केशरवानी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रतियोगिता में विजेता टीम को 1 लाख एवं ट्रॉफी एवं उपविजेता टीम को 50 हजार एवं ट्रॉफी सहित अनेक ट नकद पुरस्कार, ट्रॉफी, मोमेंटो, घड़ी देकर सम्मानित किया जाएगा। टूर्नामेंट के लिए टीमों का पंजीयन प्रारंभ हो चुका है। 5 जनवरी तक एंट्री ओपन है। स्थानीय क्रिकेट प्रेमियों में इस आयोजन को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है।

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN: U40108CT2003SGC015821
No.15-15/ABVTPS/E&T/W-I-13/2025/12422 Marwa, dtd. 26-12-2025

NOTICE INVITING TENDER

Sealed Tenders are invited from reputed contractors for:-

Sl. No	Tender Spec.No.	Particulars	Last date for sale of tender documents	Due date of submission/opening of tender documents	Tender Fee	EMD
01	No.15-15/ABVTPS/E&T/W-I-13/2025	Deployment of 01 no. Vehicle (SUV) for S.E. (E&T) and S.E. (EE) to discharge their day to day official duties of 2x500 MW ABVTPS, CGPGCL, Marwa, pre. for 24 months	22.01.2026	23.01.2026	Rs. 500/- + GST @ 18% (590/-) (Rs.118/- Extra for Postal charges if required by post.)	Rs.13071/-

Tender fee & EMD are to be submitted in the form of DD/BC drawn in favour of **Sr. Accounts Officer, 2X500 MW, ABVTPS, CSPGCL, Marwa, Champa** and should be payable at SBI, Branch CSEB Marwa,Champa. For other details, please visit our website www.cspc.co.in/CSPGCL/TENDER or contact the undersigned during working hours.

Superintending Engineer (E&T)
2x500 MW, ABVTPS, CSPGCL Marwa Tendabhatha, Janjgir-Champa

S- 46415/2

कार्यालय, नगरपालिका परिषद चांपा, जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

//प्रथम निविदा सूचना//

क्रमांक/2783/लो.नि.वि./न.पा./2025-26 चांपा दिनांक 01.01.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत अधोसंरचना मद से सिविल कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/निर्माताओं/अधिकृत विक्रेताओं से मैनुअल निविदा लोक निर्माण विभाग के दिनांक 01.01.2015 से प्रचलित भवन एस.ओ.आर., सड़क एस.ओ.आर. 01.01.2025 एवं पी एच ई एस.ओ.आर. 01.06.2020 पर कार्य हेतु दर अनुसूची पर प्रपत्र ''अ'' में आमंत्रित की जाती है।

(1) निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 15.01.2026 सांयकाल 2.00 बजे तक।
(2) निविदा प्रपत्र हेतु रसीद कटने एवं प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि 16.01.2026 सांयकाल 5.00 बजे तक।
(3) निविदा स्पीड पोस्ट से जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 22.01.2026 सांयकाल 3.00 बजे तक।
(4) निविदा खोलने की तिथि दिनांक 22.01.2026 सांयकाल 3.30 बजे से।

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (राशि लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा प्रपत्र	समयावधि (कार्यादेश से)
1	वार्ड नं. 17 से संदीप गुप्ता घर से जगदीश ठाकुर घर तक सी.सी. सड़क निर्माण कार्य।	5.51	5000.00	750.00	'अ'	03 माह
2	वार्ड नं. 18 में दिलचंद धीवर घर से सहिस मुहल्ला तक आर.सी.सी. नाली कव्हर निर्माण कार्य।	1.89	2000.00	300.00	'अ'	02 माह
3	वार्ड नं. 18 में हरिराम देवांगन घर से रोशन खॉन घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	8.11	6100.00	750.00	'अ'	03 माह
4	वार्ड नं. 19 में मेन रोड से मंगलदास महंत घर तक डामरीकरण कार्य।	8.59	6400.00	750.00	'अ'	03 माह
5	वार्ड नं. 20 में विजय देवांगन घर से बिशनुकांत घर तक सी.सी. सड़क एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	3.02	3100.00	750.00	'अ'	02 माह
6	वार्ड नं. 20 में संतोष थवाईत घर से आहूजा घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	1.47	2000.00	300.00	'अ'	02 माह
7	वार्ड नं.20 संतोष थवाईत घर से आहूजा घर तक सी.सी. सड़क निर्माण कार्य।	3.38	3400.00	750.00	'अ'	02 माह
8	वार्ड नं. वार्ड नं. 21 नेतराम गली में सी.सी. सड़क निर्माण कार्य।	4.99	5000.00	750.00	'अ'	03 माह
9	वार्ड नं. 21 में मेन रोड से मन्नू देवांगन घर (मोची गली) तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	1.72	2000.00	300.00	'अ'	02 माह
10	वार्ड नं. 22 में पंडित गायकवाड़ घर, सब्जी मंडी सुकदेव तिवारी घर, मुरारी यादव घर एवं राकेश कर्ष घर के पास नलकूप खनन एवं हेण्डपंप स्थापना कार्य।	5.24	5000.00	750.00	'अ'	02 माह

(1) उक्त निविदा एवं निर्माण कार्य के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन से 10 दिवस के भीतर सप्रमाण आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। (2) पूर्ण होने वाले कार्यों से एस.डी. परफारमेंस गारंटी, आई.टी., जी.एस.टी., रायल्टी, श्रम उपकर, ई.ई.चेकिंग की राशि रोक कर उप अभियंता मूल्यांकन उपरांत नियमानुसार भुगतान किया जावेगा। (3) निविदा से संबंधित नियम एवं शर्ते तथा अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण शाखा एवं विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में देखा जा सकता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद चांपा

न्यायालय तहसीलदार कोरबा
जिला- कोरबा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

202512050600108
रा.प्र.क्र.-ब-121/2025-26
ग्राम- कोरबा, प.ह.नं.-16

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कृष्ण कुमार अग्रवाल पिता स्व.श्याम सुंदर अग्रवाल वगैरह निवासी पावर हाउस रोड कोरबा, तहसील व जिला कोरबा छ.ग. द्वारा अपने पिता स्व. श्याम सुन्दर अग्रवाल जिनकी मृत्यु दिनांक 19.10.2024 एवं माता स्व. सीता देवी अग्रवाल की मृत्यु दिनांक 21.08.2024 को हो जाने के फलस्वरूप संबंध/आश्रित प्रमाण पत्र प्रदाय करने बाबत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपना दावा/आपत्ति इस न्यायालय में नियत तिथि दिनांक 07.01.2026 तक स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। समयावधि बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 23.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

(सील) तहसीलदार
कोरबा (छ.ग.)

पुलिस ने जन जागरुकता बाइक रैली निकालकर लोगों को हेलमेट के प्रति किया जागरुक

जांजगीर-चांपा। 37 वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के द्वितीय दिवस शुक्रवार 2 जनवरी को जिला मुख्यालय जांजगीर में यातायात पुलिस द्वारा वृहद स्तर पर हेलमेट जन-जागरूकता बाइक रैली का आयोजन किया गया। यह सड़क सुरक्षा माह 1 जनवरी 2026 से लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उदयन बेहार के नेतृत्व में यह रैली निकाली गई। रैली को सीएसपी योगिताबाली खापर्डे द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। हेलमेट सुरक्षा, जागरूकता रैली पुलिस नियंत्रण कक्ष जांजगीर से प्रारंभ होकर कचहरी चौक, नेताजी चौक, नैला रेलवे स्टेशन चौक होते हुए पुनः नेताजी चौक से लिंक रोड के माध्यम से पुलिस नियंत्रण कक्ष पहुंची। रैली में शामिल पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दोपहिया वाहन चलाकर आम नागरिकों को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर बताया गया कि हेलमेट का उपयोग सिर की गंभीर चोटों से बचाव में अत्यंत प्रभावी है और यह जीवन रक्षक साबित होता है।

रैली के माध्यम से नागरिकों को यातायात नियमों के पालन, सुरक्षित गति और जिम्मेदार वाहन संचालन का संदेश दिया गया। पुलिस विभाग के अनुसार जिले में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली कुल मौतों में लगभग 62 प्रतिशत मृत्यु दोपहिया वाहन चालकों की होती है, जिससे यह स्पष्ट है कि सड़क दुर्घटनाओं में दोपहिया चालक सबसे अधिक प्रभावित वर्ग हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए यह जागरूकता रैली आयोजित की गई। पुलिस विभाग ने आमजन से अपील की है कि मोटरसाइकिल चलाते समय नियमित रूप से हेलमेट का उपयोग करें, नाबालिगों को वाहन न चलाने दें और सड़क सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाएं। सामूहिक प्रयासों से ही सुरक्षित सड़कों का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

अनमोल वचन......

आप एक मूल व्यक्ति के रूप में पैदा हुए हैं। एक प्रति के रूप में मत मरो।

नया साल, पुरानी चुनौतियां

नव वर्ष में प्रवेश के अवसर पर सचमुच संकल्प लिया जाए, तो अमन-चैन का लक्ष्य असंभव नहीं है। यह तो अवश्य सुनिश्चित किया जा सकता है कि जब 2026 विदा लेगा, तब हम आज से बेहतर एवं अधिक स्थिर हाल में हों! नव वर्ष के आरंभ पर यह कामना स्वाभाविक है कि 2026 भारत के लिए खुशहाली एवं अमन- चैन का साल हो। नव वर्ष में प्रवेश के अवसर पर इस दिशा में बढ़ने का सचमुच संकल्प लिया जाए, तो यह लक्ष्य असंभव नहीं है। कम-से-कम यह तो अवश्य सुनिश्चित किया जा सकता है कि 12 महीनों के बाद जब यह साल विदा लेगा, तब हम आज की तुलना में बेहतर एवं अधिक स्थिर स्थिति में हों! लेकिन ऐसा होने की पहली शर्त मौजूद चुनौतियों के साथ-साथ अपनी कमजोरियों को भी स्वीकार करना होगा। नए साल का आगमन उस समय हुआ है, जब आर्थिक एवं सुरक्षा संबंधी एवं भू-राजनीति से जुड़ी समस्याएं बेहद गंभीर हो गई मालूम पड़ती हैं।

गुजरा साल यह अहसास कराते हुए गया कि सीमापार प्रायोजित आतंकवाद के साथ-साथ देश के अंदर भी दहशतगर्दी की प्रवृत्तियां हमला करने की फिराक में हैं। पास-पड़ोस की हालिया घटनाओं ने इस रुझान को ताकत दी है। खासकर बांग्लादेश में जिस तरह की अस्थिरता बनी है और वहां जिस तरह के सियासी हालात हैं, उन्होंने उस सीमा पर भी सतर्कता की जरूरत बढ़ा दी है, जिसको लेकर कुछ समय पहले तक भारत आश्वस्त रहने की स्थिति में था। पाकिस्तान के साथ जुड़ी सरहद पर चुनौतियां और बढ़ी हैं। चीन के साथ संबंध भले कुछ सुधरे हों, मगर रिश्तों की जमीन भुरभुरी ही है। इन सबके ऊपर बनी वैश्विक परिस्थितियां हैं, जिनमें भारत अब संकट के मौके पर अमेरिका से मदद की उम्मीद शायद ही रख सकता है। ऐसी परिस्थितियों में भारत के पास आंतरिक शक्ति के अलावा भरोसे का कोई और विकल्प नहीं है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में अविश्वास, सामुदायिक दुराव, क्षेत्रीय तनाव आदि के कारण साझा मकसद, संपूर्ण एकजुटता, एवं दृढ़ संकल्प को हासिल करना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो गया नजर आता है। अतः नव वर्ष का इससे बड़ा संकल्प संभवतः और कुछ नहीं हो सकता कि इन चुनौतियों से पहले पार पाने की तरफ बढ़ा जाए। इसके लिए पहल की स्वाभाविक अपेक्षा राजनीतिक नेतृत्व से ही होगी। क्या वह इस चुनौती के अनुरूप नव वर्ष में आचरण कर पाएगा।

राशिफल

मेष राशिः वाणी और व्यवहार में संयम रखें नया साल आपके लिए धन संबंधी मामलों में अच्छा रहेगा। आर्थिक क्षेत्र में किए गए सकारात्मक प्रयास अनुकूल परिणाम देंगे। इस साल वाहन या मकान भी खरीदने संभावना बन सकती है। सामाजिक या कार्यक्षेत्र में इष्ट मित्रों की सहायता से मुश्किलें कम होंगी। अपनी वाणी और व्यवहार में संयम रखें। मधुरता और नम्रता अवश्य बनाएं रखें, अन्यथा वाद विवाद होने की संभावना बढ़ सकती है।

वृष राशिः व्यवसाय में लाभ के योग आपके लिए नए साल का पहला दिन मिले-जुले अनुभव लेकर आया है। आप अपनी बुद्धि और विवेक से कार्य क्षेत्र में मनचाहा परिणाम प्राप्त करेंगे। व्यापारियों को व्यवसाय में लाभ के योग हैं। इस साल आपके आय के नए स्रोत के सृजन होने के प्रबल योग बन रहें हैं। नौकरी करने वालों को कार्य स्थल पर अधिकारियों की ओर से सम्मानित किया जा सकता है।

मिथुन राशिः उधार के लेन-देन से बचें आपको अनावश्यक और तनाव पूर्ण बातों से दूर रहना चाहिए। बच्चों की शिक्षा के संबंध में यात्रा भी करनी पड़ सकती है। इस सिलसिले में कहीं न कहीं भाग-दौड़ बनी रहेगी। बैंकिंग और फाइनेंस से संबंधित जातकों को थोड़ी मंदी का सामना करना पड़ सकता है। इस साल आपको जहां तक हो सके उधार के लेन-देन से बचना चाहिए।

कर्क राशिः चमक सकती है आपकी किस्मत नववर्ष आपके लिए अत्यन्त सुखद रहने वाला है। आपकी किस्मत पलट सकती है। अगर आप सरकारी नौकरी पेशा हैं, किसी प्राइवेट सेक्टर में कार्यरत हैं या फिर व्यावसायिक हैं, इस साल कहीं दूरस्थ यात्रा पर जाने के योग हैं। यह यात्रा आपके लिए शानदार हो सकती है। विशेष रूप से आर्थिक लाभ का कारक होगा।

सिंह राशिः आय के साधन बढ़ने की संभावना आपके लिए दिन मिला-जुला रह सकता है। कार्य-क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्यों में संघर्ष की स्थिति बन सकती है परन्तु अपनी सूझबूझ से काम को पूरा कर लेंगे, जिससे आनंद की प्राप्ति होगी। आर्थिक दृष्टि से यह साल आपके अनुकूल रहेगा। इच्छानुसार कहीं भी निवेश कर सकते हैं या घूमने-फिरने की योजना भी बना सकते हैं। सिंह राशि का डिटेल राशिफल

कन्या राशिः आप ऊर्जावान और आशावान रहेंगे यह साल आपके जीवन में समृद्धि लेकर आया है। भाग्य का पूरा साथ आपको मिलेगा। नौकरी या व्यवसाय में जिस भी काम को आगे बढ़ाने की योजना बनाएंगे उसमें आपको सफलता हासिल होगी। इस साल आपको तबादले से संबंधित मनचाही सूचना मिल सकती है, जिसका आपको बहुत दिनों से इंतजार था। कुछ परिस्थितियां ऐसी बनेंगी जिससे पारिवारिक तनाव समाप्त हो सकता है।

तुला राशिः आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी आपके जीवन के अधिकांश क्षेत्रों में नववर्ष सकारात्मक रहेगा। सरकारी या प्राइवेट सेक्टर में काम कर रहे जातकों के लिए तरक्की के लिए मार्ग प्रशस्त होंगे। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। इस साल व्यापार करने वाले जातकों के लिए उन्नति के योग बन रहें हैं, जिसे अपनी बुद्धि और विवेक से उचित निर्णय के बल पर प्राप्त करेंगे।

वृश्चिक राशिः आज का दिन रहेगा शानदार इस साल आपको भाग्य का अच्छा साथ मिलने वाला है। आप अपने ज्यादातर कार्य सफलतापूर्वक संपन्न करेंगे। आपके प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी और आप अपने लवलाइफ के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। इस राशि के व्यापारियों के लिए यह साल अच्छा है। विद्यार्थियों को अपने मनपसंद क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलेगा।

धनु राशिः स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का निराकरण होगा आपके लिए नया साल अच्छे फल प्रदान करने वाला साबित होगा। आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का निराकरण होगा। आपको अपने कार्यक्षेत्र से अच्छी खबर मिलेगी। विदेश या छोटी दूरी की यात्रा की योजना बन सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मकर राशिः आपकी आमदनी बढ़ेगी के लिए यह साल शानदार रहने वाला है। जो लोग नौकरीपेशा हैं उन्हें नौकरी में और जो स्वयं का व्यापार करते हैं उन्हें व्यवसाय में बेशुमार लाभ के योग की संभावना है। यह आपके जीवन में बदलाव देखने लेकर आने वाला है। इस साल आपको आजीविका से संबंधित आय के नए स्रोत भी मिल सकते हैं, जिससे आपकी आमदनी बढ़ेगी और भविष्य के लिए संचय भी कर सकते हैं।

कुम्भ राशिः दोस्तों के साथ कहीं घूमने-फिरने जाएंगे यह साल आपके लिए मनोवांछित सफलता दिलाने वाला साल रहेगा। व्यवसाय के क्षेत्र में प्रगति के संकेत हैं। वांछित सफलता प्राप्त करने के लिए आप अपने बड़ों से सलाह और सहयोग ले सकते हैं। नौकरी से जुड़े लोग ईमानदारी से तथा मन लगाकर काम करेंगे। पदोन्नति के योग बन रहे हैं। मित्रों के साथ आप कहीं घूमने-फिरने जाएंगे, इससे संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मीन राशिः आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी यह साल आपके लिए कुछ खट्टे कुछ मीठे अनुभव लेकर आएगा। आपका संपर्क नए व्यक्तियों से हो सकता है, जिनकी मदद से व्यवसाय में लाभ होगा। नौकरी कर रहे लोगों को अविश्वसनीय रूप से सफलता मिल सकती है। इस राशि के जातकों की आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। लेकिन अचानक कुछ समस्याएं सामने आने से खर्च बढ़ सकता है। प्रेमी युगलों के लिए भी दिन अच्छा है।

नए साल का संदेशः हौसला नहीं छोड़ना !

//शकील अख्तर//

नया साल उत्साह भरता है। पर देखे नए साल का भी ज़कोई पाइंट ऐसा नहीं होना चाहिए जहां से आप आगे बढ़ सकें। हर चीज में शक पैदा कर दो उसे अस्वीकार्य घोषित कर दो ताकि सिर्फ ढलान ही ढलान बचे। अब कविता बना रहे है कि ये नव वर्ष हमें स्वीकार नहीं। हिम्मत होती तो आईटी सेल इसे लिखने वाले के नाम से प्रचारित करता। मगर इनका एक कवि नहीं जिसका नाम हो और उस नाम से कविता एकदम से क्लिक कर जाए। तभी दिनकर के नाम की मिलावटी तुकबंदी है। नया साल नए साल जैसा ही होना चाहिए। उम्मीदों का और हौसलों का। 2025 गया। ऐसे ही कुछ और साल भी देश और समाज को पीछे जाते देखते हुए गुजर गए।!

शुरु में, 2014 में इतने बुरे की आशंका किसी को नहीं थी। भाजपा आरएसएस के विचार सबको मालूम थे मगर सिर्फ चुनाव जीतना ही सब कुछ होगा बाकी देश की कोई चिन्ता नहीं होगी यह तो तब शायद ही कोई सोच पाया था। मगर इसके बावजूद अगर हम वापसी की बात कर रहे हैं तो कोई बहुत अनोखी बात नहीं है। मानव स्वभाव ही बेहतरी की भावना से संचालित होता है। अगर ऐसा नहीं होता तो अंग्रेजों की गुलामी के दौर में देश में आजादी की भावना बलवती नहीं होती।

110 साल पहले विदेश से गांधी जब वापस भारत आए तब देश की क्या हालत थी? सोया हुआ था।

निराश। नियति को स्वीकार कर चुका था। 1857 के बाद हुए अंग्रेजों के दमन के जख्म भरे नहीं थे। आजादी की वह पहली लड़ाई लड़ने वालों की पीढ़ी में से कई लोग जिन्दा थे। दिल्ली जहां सबसे ज्यादा दमन हुआ था वहां से लोगों को पलायन करना पड़ा था वह देश के दूसरो हिस्सों में जाकर उस समय अंग्रेजों द्वारा ढाए गए जुल्मों की कहानियां सुनाते थे।

उस सबकी दहशत लोगों में बैठी थी। तब 1915 में इसी जनवरी महीने में गांधी दक्षिण अफ्रीका से वापस भारत लौटे थे। और फिर आगे की कहानी सब को मालूम है कि निराश हताश और भय में जी रहे लोगों को गांधी ने कैसे जगाया।तो उम्मीद लोगों का स्वभाव है। डर से निकलना भी चाहता है। डर में दुबक के बैठे रहना सुरक्षा का अहसास देता है। मगर वह वास्तविक सुरक्षा नहीं होती। डर का घेरा और तंग होता जाता है और व्यक्ति और सिमटता जाता है। नया साल उत्साह भरता है। आप देख रहे होंगे कि नए साल का विरोध भी इसीलिए और तेज होता जा रहा है। कोई पाइंट ऐसा नहीं होना चाहिए जहां से आप आगे बढ़ सकें। हर चीज में शक पैदा कर दो उसे अस्वीकार्य घोषित कर दो ताकि सिर्फ ढलान ही ढलान बचे। वह कविता, सस्ती कविता भी बना दी है। ये नव वर्ष हमें स्वीकार नहीं। हिम्मत होती तो आईटी सेल इसे लिखने वाले के नाम से प्रचारित करता। मगर अपना कोई कवि ही ऐसा है नहीं जिसका नाम हो जिसके नाम से कविता एकदम से क्लिक कर जाए तो इसे दिनकर के नाम से प्रचारित करते हैं। पूरा नाम लिखकर राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर। हद तो यह है कि एआई (आर्टिफिशियल इन्टिलिजेन्स) भी इस सतही कविता को दिनकर के नाम से ही बता रहा है। अब भाजपा आरएसएस का प्रचार तंत्र यह तो नहीं बताएगा कि दिनकर की असली कविता तो यह है गांधी का पी रुधिर जवाहर पर फुंफकार रहे हैं! ÷ देखिए कितनी दूर तक देखा था दिनकर ने। 1962 में लिखा था। 60 साल से ज्यादा हो गए अभी भी जवाहर ही मुख्य निशाने पर है। जवाहरलाल नेहरू। कितने सही शब्द का इस्तेमाल किया था फुंफकार रहे हैं। फुंफकारना क्या होता है? बिना कारण लगातार जहर फैंकना।

तो दिनकर की असली कविता यह है। मगर उनके नाम को यूज करना है। उसके जरिए अपने प्रतिक्रियावादी सिर्फ विरोध करने वाले विचारों को स्थापित करना है तो नए साल का विरोध उनके नाम से किया जा रहा है।

नया साल मतलब साल की शुरूआत। यानि उम्मीदों की भी। और उम्मीद तोड़ना ही यथास्थितिवाद फैलाना ही इनका मूल उद्देश्य है।

तो अगर आगे बढ़ना है वापस दुनिया में भारत का नाम बनाना है तो हिम्मत और हौसले को बनाए रखना होगा। बीते साल की नाकामयाबियों पर लिखने को बहुत कुछ है। क्या क्या लिखें? अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि खराब हुई है। अभी जाते हुए साल में न्यूयार्क टाइम्स ने पेज वन पर आरएसएस का कच्चा चिट्ठा खोल दिया है। यहां आरएसएस कहती है हमें इस नजरिए से मत देखो उस नजरिए से मत देखो, आप हमें जानते नहीं हो उधर न्यूयार्क टाइम्स ने लाठियां लिए आरएसएस के स्वयंसेवकों की बड़ी सी तस्वीर और प्रधानमंत्र मोदी का फोटो छापकर लिख दिया कि आरएसएस भारत को लोकतंत्र के उजाले से दूर करके अंधेरे की तरफ ले जा रहा है।भारत की संवैधानिक संस्थाएं जो भारत की मजबूती का आधार था उन्हें ध्वस्त कर दिया गया है। सर्वधर्म समभाव या भारत की जो धर्मनिरपेक्ष छवि थी उसे गहरा आघात लगा है। इससे पहले बीबीसी आरएसएस पर डाक्यूमैंट्री बना चुका है। जिसे भारत में प्रतिबंधित कर दिया गया और बीबीसी के दफ्तरों पर छापे मारे गए।

अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर एक तरफ यह हाल है दूसरी तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप भारतीयों को हथकड़ी बेड़ी पहनाकर भारत भेजने के साथ मुहावरे में नहीं वास्तव में पचास बार से ज्यादा यह कह चुके हैं कि व्यापार की धमकी देकर मैंने भारत पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाया। और इतना ही नहीं 8 लड़ाकू विमान गिरे वाली बात वे इस तरह कहते हैं जैसे भारत के गिरे हों। पाकिस्तान की तारीफ करते हैं। वहां के आर्मी चीफ मुनीर जो पहलगाम के आतंकवादी हमले के जिम्मेदार है उन्हें लंच पर बुलाते है। मतलब गुजरे साल मई में हुए आपरेशन सिंदूर के बाद से अब तक उन्होंने कोई मौका नहीं छोड़ा जब भारत का अपमान नहीं किया हो। मगर आश्चर्य है कि एक बार भी हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने उनका प्रतिकार नहीं किया। क्या डर है। भारत इतना डरा हुआ तो कभी नहीं था। एक प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी भी थीं जो आंख में आंख डालकर अमेरिका के राष्ट्रपति से बात करती थीं। सैनिक शक्ति का रौब दिखाने पर कहती थीं कि सातवां बेड़ा नहीं आठवां भी भेज दो। भारत नहीं डरेगा।

यह तो हुई अन्तरराष्ट्रीय स्तर की बात जहां भारत कमजोर हुआ है और उसकी छवि खराब। और इधर देश में क्या हुआ? साढ़े 11 साल की नफरत और विभाजन की आग अब सब जगह पहुंच गई है। दलित, पिछड़े, आदिवासी, मुस्लिम, महिला तो छोड़ दीजिए जिनसे यह कहते थे कि हम तुम्हारे लिए ही काम कर रहे हैं उन ब्राह्मण और राजपूतों के बीच भी नफरत और वैमनस्य पैदा कर दिया। यूपी में भाजपा के ब्राह्मण विधायकों को बैठक करने पर पार्टी की तरफ से चेतवानी दी जा रही है। जबकि इससे पहले राजपूत विधायक बैठक कर चुके थे।

मतलब इनके नफरत के जहर से कोई नहीं बचा है। महिला के बारे में हाल यह है कि उसकी सुरक्षा तो छोड़ दीजिए आज ऐसी स्थिति ले आए हैं कि लोग बलात्कार का समर्थन करने लगे। निर्भया के समय कोई सोच सकता था? उसी समय उठा कर अंदर कर दिया जाता।

देश की अंदरुनी हालत पर लिखने के इतने पाइंट हैं कि अख़बार में यह थोड़ी सी जगह नहीं पूरा पेज ही मांगना पड़ेगा। ऐसा कभी नहीं हुआ जो खुले आम तलवारें बांटी जा रही हैं। नार्थ ईस्ट का लड़का उत्तराखंड में यह कहते कहते मर जाता है कि वह भारतीय हैं। लींचिंग (पीट पीट कर मार डालना) पहले कभी सुनी भी नहीं गई थी। और अब हालत यह है कि लींचिग होती है और उसके बाद सरकार कोर्ट में जाकर कहती है कि जो आरोपी हैं वह उनके खिलाफ केस वापस लेना चाहती है।

वह तो शुक्र करो की अदालत ने जो पहली लींचिग 2015 में अखलाक की हुई थी उस मामले में केस वापस लेने के यूपी सरकार की अपील को रिजेक्ट कर दिया नहीं तो इसमें और तेजी आती। और याद रखिए कि लींचिंग के शिकार केवल मुस्लिम ही नहीं हैं। अभी यह नार्थ ईस्ट का युवा एंजेल चकमा मारा गया। उससे पहले 12वीं कक्षा का छात्र आर्यन मिश्रा मारा गया। और लड़के की हत्या के बाद उसके पिता सियानंद मिश्रा पर इतना दबाव डाला गया कि वे हरियाणा छोड़कर जाने की बात करने लगे। पूरी कानून व्यवस्था इन्होंने अपने हाथों में ले ली है। सरकार में हिम्मत नहीं है कि इनके खिलाफ बोल सके। बरेली में एक छात्रा की बर्थडे पार्टी में घुसकर मारपीट करने वाला रिषभ ठाकुर पुलिस को चैलेंज कर रहा है कि हमसे पंगा मत लेना पता भी नहीं चलेगा कि कहां गए! यूपी में ही इंसपेक्टर सुबोध सिंह को गौ रक्षकों ने मार डाला था। यह हालत है। मगर क्या इसको स्वीकार कर लें नहीं। नए साल से उम्मीदें बरकरार हैं। पुराने प्रेम-सद्भाव भाईचारे के दिनों की वापसी की।

उम्मीद-ए-सहर की बात सुनो !

//अजीत द्विवेदी//

नई सुबह और नई उम्मीदों के साथ नए साल का स्वागत है। बीता हुआ साल अच्छा नहीं था। अप्रैल में पहलगाम में बड़ा आतंकवादी हमला हुआ था, जिसमें देश के अलग अलग हिस्सों के 25 बेकसूर सैलानियों और एक स्थानीय कश्मीर व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी। उसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए छह और सात मई की दरम्यानी रात को आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया लेकिन दुर्भाग्य से यह ऑपरेशन पाकिस्तान के साथ सीमित युद्ध में बदल गया।

पहले के बालाकोट या उरी स्ट्राइक से उलट पाकिस्तान ने जवाबी हमला कर दिया। इसका अंत 10 नवंबर को बिल्कुल अप्रत्याशित तरीके से हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर का ऐलान किया। उसके बाद से वे करीब एक सौ बार कह चुके हैं कि उन्होंने व्यापार बंद करने और टैरिफ बढ़ाने का दबाव डाल कर भारत और पाकिस्तान को सीजफायर के लिए तैयार कराया। इसके बाद साल के अंत में राजधानी दिल्ली में लाल किले के सामने कार बम धमाका हुआ, जिसमें एक दर्जन से ज्यादा लोग मारे गए। इन दो घटनाओं ने सरकार के बनाए सुरक्षा नैरेटिव को पूरी तरह से बदल दिया।

जुलाई का महीना एक अलग स्ट्राइक लेकर आया, जब राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका जाने वाले भारत के उत्पादों पर पर 25 फीसदी का टैरिफ लगाया और रूस से तेल खरीदने की सजा देते हुए 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगाया। इसके बाद से भारतीय मुद्रा यानी रुपए में गिरावट का ऐसा सिलसिला चला है कि एक डॉलर 90 रुपए से ज्यादा का हो गया है। भारत के पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में पूरी तरह से भारत विरोधी माहौल बन गया है, जिसका फायदा पाकिस्तान और चीन दोनों उठा रही हैं। शेख हसीना के तख्तापलट और उनके भारत आने के बाद से हिंदुओं पर हो रहे हमलों में पिछले साल अचानक तेजी आई।

हिंदुओं पर हमले की दर्जनों घटनाएं हुई हैं और दिसंबर 2025 के आखिरी 15 दिन में तीन हत्याएं हुईं। वहां हालात 1971 जैसे बन रहे हैं और उसी तरह शरणार्थियों के भारत की सीमा पर जमा होने की आशंका बन गई है। नेपाल में भी सत्ता परिवर्तन हुआ और केपी शर्मा ओली का तख्तापलट करा कर जेन जी ने सुशीला कार्की को सत्ता सौंपी। एक तरह से पूरा साल भारत के लिए सामरिक नीति, कूटनीति और अर्थनीति तीनों में नैरेटिव गंवाने का रहा। दुनिया निश्चित रूप से दुविधा में रही कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में सचमुच क्या हुआ था। उधर पाकिस्तान ने दुनिया की तीनों महाशक्तियों अमेरिका, रूस और चीन का सद्भाव हासिल किया। उसके सेना प्रमुख का व्हाइट हाउस में स्वागत हुआ।

अगर घरेलू राजनीति की बात करें तो सरकार का विपक्ष के साथ टकराव बढ़ता गया है। 2024 में लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद भाजपा की जीत का जो सिलसिला हरियाणा, महाराष्ट्र में बना वह 2025 में दिल्ली और बिहार में जारी रहा। लेकिन लगातार जीत के बावजूद भाजपा का शीर्ष नेतृत्व लोकसभा में बहुमत गंवाने के बाद से सहज नहीं हो पाया है। मुख्य विपक्षी पार्टी ने 'वोट चोरी' को ऐसा मुद्दा बनाया है, जिससे देश की पूरी चुनाव प्रक्रिया संदेह के घेरे में आई है। दुर्भाग्य की बात है कि चुनाव आयोग लोगों का संशय दूर करने की बजाय विपक्ष के विरोधी की तरह बरताव कर रहा है। विपक्ष की दूसरी पार्टियां 'वोट चोरी' के मामले में भले कांग्रेस के साथ पूरी तरह से सहमत नहीं हैं लेकिन संसद में चुनाव सुधार पर चर्चा के दौरान सबने चुनाव आयोग के पक्षपात का मुद्दा बनाया। चुनाव प्रक्रिया पर बन रहा अविश्वास अंततः लोकतंत्र को कमजोर करेगा। मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर एक सही कदम है लेकिन इसे जिस तरह से जल्दबाजी में लागू किया गया उससे संदेह पैदा हुआ है। 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में हुई एसआईआर की प्रक्रिया में कई तरह की कमियां सामने आई हैं। भारत में राजनीति का विभाजन जितना गहरा हुआ है उसी अनुपात में समाज का विभाजन भी बढ़ा है। यह सामाजिक विभाजन लंबे समय में भारत की एकता और अखंडता को प्रभावित करने वाला होगा। सो, नए साल में गालिब की तरह यह तो नहीं कह सकते हैं कि, 'एक बिरहमन ने कहा है कि ये साल अच्छा है', लेकिन फैज की तरह 'सहर की बात उम्मीद-ए-सहर की बात' यानी कर सकते हैं। उम्मीद कर सकते हैं कि सब कुछ ठीक होगा। भारत ने ब्रिटेन से लेकर न्यूजीलैंड कर सात देशों के साथ मुक्त व्यापार संधि की है और उम्मीद है कि नए साल में जनवरी या फरवरी में अमेरिका के साथ व्यापार संधि हो जाएगी। अमेरिका के साथ व्यापार संधि से बहुत कुछ बदलेगा। भारत का अलगाव समाप्त होगा। टैरिफ कम होगा, जिससे निर्यात बढ़ेगा और आर्थिकी पर दबाव कम होगा। यूरोपीय संघ के साथ भी भारत की व्यापार वार्ता अंतिम चरण में है। इससे भारत की आर्थिकी में एक ठहराव आने की उम्मीद है। अमेरिका के साथ व्यापार संधि होने के बाद कूटनीतिक मोर्चे पर भी भारत को निश्चित रूप से फायदा होगा। नेपाल में भी नए साल के शुरू में चुनाव होने वाले हैं। वहां भी राजनीतिक स्थिरता आती है तो भारत के लिए बेहतर होगा।

नए साल में फरवरी में बांग्लादेश में चुनाव होना वाले हैं। हालांकि शेख हसीना की आवामी लीग के चुनाव लड़ने पर पाबंदी है लेकिन बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी चुनाव लड़ रही है। बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री रहीं बेगम खालिदा जिया का निधन हो गया है लेकिन उससे ठीक पहले उनके बेटे तारिक रहमान अपने वतन लौट आए और चुनाव में अपनी पार्टी बीएनपी का नेतृत्व कर रहे हैं। जनरल इरशाद की जातीय पार्टी भी मुकाबले में है। जमात ए इस्लामी भी चुनाव लड़ रही है। सो, चुनाव लड़ रही लगभग सभी पार्टियों का रुख भारत विरोधी रहा है। फिर भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनी गई सरकार के साथ संवाद बहाल बेहतर होगा और उम्मीद कर सकते हैं कि हिंदुओं पर हमले रुकेंगे।

अंतरराष्ट्रीय और आर्थिक मोर्चे पर स्थिरता के बाद भी ऐसा लग रहा है कि नए साल में लेकिन घरेलू राजनीति का मैदान टकराव वाला बना रहेगा। अप्रैल और मई में पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा के चुनाव हैं। पश्चिम बंगाल और असम का चुनाव बहुत ज्यादा कटुता बढ़ाने वाला होगा। भारत में चुनाव पिछले कुछ समय से जंग की तरह लड़े जा रहे हैं। इसमें इतनी कटुता पैदा होती है कि चुनाव के बाद भी वह समाप्त नहीं होती है। पहले पार्टियां और देश की जनता भी चुनाव के समय राजनीतिक टकराव के मोड में आती थी और चुनाव के बाद सब पहले जैसा सामान्य हो जाता था। लेकिन अब सालों भर राजनीति और समाज की खदबदाहट बनी रहती है। इससे सामाजिक विभाजन बढ़ता जा रहा है और टकराव की आशंका स्थायी रूप से बनी रहती है।

सरकार बीते साल को सुधारों का साल बता रही है क्योंकि उसमें श्रम कानूनों को बदला गया। भारत की परमाणु ऊर्जा नीति को बदला गया। रोजगार गारंटी की योजना बदली गई। सरकार ने 'एक देश, एक चुनाव' का बिल पेश किया, जिस पर संयुक्त संसदीय समिति में विचार हो रहा है तो जेल जाने वाले विधायकों, सांसदों को पद से हटाने का कानून भी लाया जा रहा है। इसके बिल पर भी संयुक्त संसदीय समिति विचार कर रही है। जो कानून बन गए हैं वो भी जो बिल लाए गए वो भी, सब टकराव बढ़ाने वाले हैं और विपक्ष इसके लिए कमर कस कर तैयार है। महात्मा गांधी नरेगा की जगह लाए गए विकसित भारत जी राम जी बिल पर तो जनवरी के पहले हफ्ते से ही कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन शुरू होने वाला है। सो, कह सकते हैं कि चुनाव और राजनीति के मोर्चे पर नए साल में टकराव बना रहेगा।

तस्वीरों की दुनिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में प्रगति (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन) की 50वीं बैठक की अध्यक्षता की।

इंदौर के एम.वाई. हॉस्पिटल में पानी में मिलावट की घटना को लेकर हुई रिव्यू मीटिंग के दौरान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव राज्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के साथ।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना, बिहार में इको पार्क का दौरा किया।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर के एक अस्पताल में दूषित पानी पीने के बाद इलाज करवा रहे एक प्रभावित व्यक्ति से मुलाकात की।

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने लखनऊ में नए साल 2026 के पहले दिन बाटी चोखा लंच के मौके पर समर्थकों से मुलाकात की और उनका अभिवादन किया।

महाराष्ट्र में बड़े साइबर फ्रॉड का पर्दाफाश

1400 की आबादी वाले गांव में बना दिए 27 हजार फर्जी जन्म प्रमाणपत्र

यवतमाल, 03 जनवरी ।

महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में एक चौंकाने वाला साइबर अपराध का मामला सामने आया है। आर्णी तहसील के शेंदुरसनी गांव की ग्राम पंचायत के सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम को हैक कर हजारों फर्जी जन्म प्रमाणपत्र जारी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। इस गांव की कुल आबादी मात्र 1400 के आसपास है, लेकिन पिछले कुछ महीनों में यहां 27,000 से अधिक जन्म प्रमाणपत्र और 7 मृत्यु प्रमाणपत्र दर्ज कर लिए गए।मामले का खुलासा जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुभाष धोले की जांच से हुआ। जांच में पता चला कि ये रजिस्ट्रेशन गांव की वास्तविक आबादी से पूरी तरह असंगत हैं। शिकायत मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। पुलिस अधीक्षक कुमार चिंता के निर्देश पर साइबर सेल और उपविभागीय पुलिस अधिकारी दिनेश बैसाने की टीम ने तकनीकी जांच की। डिजिटल फुटप्रिंट्स का पीछा करते हुए टीम बिहार पहुंची और वहां से गिरोह के कथित मास्टरमाइंड 20 वर्षीय आदर्श कुमार दुबे को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस जांच से पता चला कि आरोपी ने सरकारी सीआरएससर्वर में सेंध लगाकर देश के विभिन्न हिस्सों के लिए फर्जी प्रमाणपत्र जारी किए थे। ये प्रमाणपत्र आधार कार्ड, पासपोर्ट या अन्य सरकारी योजनाओं के लिए दुरुपयोग किए जा सकते थे। पुलिस का मानना है कि यह कोई छोटा फ्रॉड नहीं, बल्कि एक बड़ा अंतरराज्यीय नेटवर्क हो सकता है, जिसमें बिहार से मजबूत तार जुड़े हैं। आरोपी आदर्श कुमार दुबे को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 12 जनवरी तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। आगे की जांच में गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। इस मामले ने सरकारी डिजिटल सिस्टम की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अधिकारियों ने सभी ग्राम पंचायत सचिवों और रजिस्ट्रारों को अलर्ट जारी किया है कि अपना CRS लॉगिन, पासवर्ड या OTP किसी के साथ शेयर न करें। इस तरह के फर्जीवाड़े से राष्ट्रीय सुरक्षा और पहचान प्रणाली को खतरा हो सकता है।

एआई शिक्षा में नई दौड़, बच्चों पर असर को लेकर बढ़ी चिंता

टेक कंपनियों का दावा, पढ़ाई आसान और व्यक्तिगत बनेगी

न्यूयॉर्क, 03 जनवरी [एजेंसी]।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के शिक्षा क्षेत्र में बढ़ते इस्तेमाल को लेकर दुनिया भर में तेजी से पहल हो रही है, लेकिन इसके बच्चों पर पड़ने वाले संभावित नुकसान को लेकर भी चिंताएं गहराती जा रही हैं। अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियों के नेतृत्व में कई देश स्कूलों और विश्वविद्यालयों में एआई टूल्स को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। नवंबर की शुरुआत में माइक्रोसाफ्ट ने संयुक्त अरब अमीरात में दो लाख से अधिक छात्रों और शिक्षकों को एआई टूल्स और प्रशिक्षण देने की घोषणा की। इसके कुछ ही दिनों बाद कजाकिस्तान में एक वित्तीय सेवा कंपनी ने ओपनएआइ के साथ समझौता कर 1.65 लाख शिक्षकों के लिए चैटजीपीटी एडु उपलब्ध कराने का ऐलान किया। वहीं, एलन मस्क की कंपनी एक्सएआई अल सल्वाडोर में दस लाख से ज्यादा छात्रों के लिए एआई ट्यूटरिंग सिस्टम विकसित कर रही है। टेक कंपनियों का तर्क है कि एआई चैटबाट्स शिक्षकों का समय बचा सकते हैं, छात्रों की जरूरत के मुताबिक पढ़ाई को ढाल सकते हैं और उन्हें एआई आधारित अर्थव्यवस्था के लिए तैयार कर सकते हैं। लेकिन बच्चों और स्वास्थ्य संगठनों का कहना है कि बिना सही दिशा-निर्देशों के एआई का उपयोग बच्चों की सोचने-समझने की क्षमता को कमजोर कर सकता है। माइक्रोसॉफ्ट और कार्नेगी मेलान यूनिवर्सिटी के हालिया अध्ययन में पाया गया है कि लोकप्रिय एआई चैटबाट का ज्यादा इस्तेमाल लोगों की सोचने-समझने की क्षमता को कमजोर कर सकता है। एआई बाट कभी-कभी भरोसेमंद लगने वाली गलत जानकारी भी दे देते हैं। वहीं, कई शिक्षक छात्रों द्वारा एआई की मदद से की जा रही नकल की बढ़ती समस्या से जूझ रहे हैं। वहीं यूनिसेफ जैसी संस्थाएं स्कूलों में एआई पाठ्यक्रम शामिल करने को लेकर आगाह किया है। यूनिसेफ के डिजिटल नीति विशेषज्ञ स्टीवन वोस्लू का कहना है कि बिना सही मार्गदर्शन के एआइ सिस्टम का उपयोग छात्रों और शिक्षकों की कौशल क्षमता को धीरे-धीरे कम कर सकता है। कुछ देश संतुलित रास्ता अपनाने की कोशिश कर रहे हैं। एस्टोनिया ने एआई लीप नाम से राष्ट्रीय पहल शुरू की है, जिसमें छात्रों और शिक्षकों को एआई के फायदे, सीमाएं और जोखिम सिखाए जा रहे हैं।

युवती को भगा ले जाने वाले युवक पर ग्रामीणों का हमला, हाथ-पांव तोड़ धारदार हथियार से काटी नाक

जोधपुर 03 जनवरी। राजस्थान के जोधपुर के लूनी इलाके में युवती को भगा ले जाने के आरोपी युवक पर ग्रामीणों ने हमला कर उसका हाथ-पांव तोड़ दिया और धारदार हथियार से उसकी नाक काट दी। साथ ही मारपीट कर वाहन तोड़ दिया, इसके बाद हमलावर भाग गए।लहूलुहान हालत में युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सहायक पुलिस आयुक्त (बोरानाडा) आनंदसिंह राजपुरोहित ने बताया कि पीड़ित दिनेश बिश्नोई आठ दिन पूर्व पड़ोसी गांव की एक युवती को भगा ले गया था। पुलिस व ग्रामीणों के दबाव पर उसने गुरुवार को युवती को छोड़ दिया।शुक्रवार दोपहर दिनेश गाड़ी से गांव पहुंचा। उसी समय ग्रामीणों ने उस पर हमला कर दिया। बुरी तरह पिटाई होने से उसके हाथ-पांव में फैक्चर हो गए। आक्रोशित ग्रामीणों ने धारदार हथियार से उसकी नाक भी काट दी।

राज्यसभा चुनाव 2026: BSP का सफाया, विपक्ष की ताकत घटी, 6 केंद्रीय मंत्रियों समेत 75 सांसदों का कार्यकाल समाप्त

नईदिल्ली, 03 जनवरी [एजेंसी]।

संसद के ऊपरी सदन राज्यसभा में साल 2026 बड़ा उलटफेर लाने वाला साबित होगा। इस साल अप्रैल, जून और नवंबर में कुल लगभग 75 सीटों पर चुनाव होंगे, जिसमें कई वरिष्ठ नेता और 6 केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। इन रिटायरमेंट्स के बाद मोदी सरकार में मंत्रिमंडल फेरबदल की अटकलें तेज हो गई हैं। सबसे बड़ा झटका बहुजन समाज पार्टी (BSP) को लगेगा, जो लोकसभा के बाद अब राज्यसभा से भी पूरी तरह बाहर हो जाएगी। वहीं, विपक्ष की ताकत उच्च सदन में और कमजोर पड़ेगी, जबकि सत्तारूढ़ NDA की स्थिति मजबूत होने की उम्मीद है।इनमें से पुरी और वर्मा का कार्यकाल नवंबर 2026 में समाप्त होगा। पुरी की उम्र रिटायरमेंट के समय 75 वर्ष के करीब पहुंच जाएगी, जिससे उनकी वापसी पर सवाल उठ रहे हैं। अन्य मंत्रियों की सीटें अप्रैल-जून में खाली होंगी। वर्तमान में राज्यसभा में BJP की संख्या ऐतिहासिक उच्च स्तर 103 पर है। रिटायर होने वाले 75 सांसदों में से लगभग 30-31 BJP के हैं। उत्तर प्रदेश की 10 सीटों में से 8 BJP की हैं, जो नवंबर में खाली होंगी। विधानसभा में मजबूत स्थिति के कारण BJP इनमें से अधिकांश सीटें फिर हासिल कर सकती है, जिससे उसकी राज्यसभा में ताकत और बढ़ेगी। कांग्रेस के 8 सांसद रिटायर हो रहे हैं, जिनमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे शामिल हैं। अन्य प्रमुख नामों में पूर्व पीएम एच.डी. देवगौड़ा, दिग्विजय सिंह, शरद पवार और उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह शामिल हैं।सबसे चौंकाने वाली स्थिति BSP की होगी। पार्टी का एकमात्र राज्यसभा सांसद रामजी गौतम (उत्तर प्रदेश से) नवंबर 2026 में रिटायर हो जाएंगे। इसके बाद लोकसभा (जहां पहले से कोई सांसद नहीं) और राज्यसभा दोनों में BSP का कोई प्रतिनिधि नहीं बचेगा।1984 में कांशीराम द्वारा स्थापित BSP ने 1989 से लगातार संसद में प्रतिनिधित्व बनाए रखा था। 36-41 वर्षों बाद पहली बार ऐसा होगा जब पार्टी संसद से पूरी तरह बाहर हो जाएगी। यूपी विधानसभा में BSP के मात्र 1 विधायक होने से राज्यसभा सीट जीतना असंभव है (एक सीट के लिए 37 विधायकों की जरूरत)। यह पार्टी के लिए गंभीर राजनीतिक संकट माना जा रहा है।राज्यसभा चुनावों के नतीजे मोदी सरकार की विधायी एजेंडा को मजबूती देंगे, जबकि विपक्ष की आवाज और कमजोर हो सकती है। आगे की जांच और नामांकन से स्थिति और स्पष्ट होगी।

बस्ती में बीजेपी नेता पर 47 लाख हड़पने पर एफआईआर

बिजनेस के नाम पर रिश्तेदार से लिए 2.28 करोड़, 1.81 करोड़ लौटाए और दी धमकी

बस्ती, 03 जनवरी [एजेंसी]।

बड़े प्रोजेक्ट और व्यापार में निवेश के नाम पर रिश्तेदार से 2.28 करोड़ रुपये लेकर 1.81 करोड़ रुपये लौटाने वाले भाजपा नेता अनूप खरे और उनके भतीजे दिव्यांशु खरे के विरुद्ध कोतवाली पुलिस ने धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। रिश्तेदार का आरोप है कि भाजपा नेता रुपये वापस मांगने पर टालते रहे और बाद में सत्ता की हनक दिखाते हुए रुपये देने से मना कर दिया।बेलवाडाड़ी के रहने वाले नमन श्रीवास्तव ने तहरीर में बताया कि भाजपा नेता अनूप खरे ने व्यापार में ऊंचे मुनाफे का झांसा देकर विभिन्न किस्तों में कुल दो करोड़ 28 लाख 14 हजार 693 रुपये लिए।

ठगे जाने की जानकारी होने पर उसने रुपये वापस मांगे तो वह आनाकानी करने लगे। दबाव व पुलिस अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद भाजपा नेता ने एक करोड़ 81 लाख 11 हजार 498 रुपये ही वापस किए और 47 लाख रुपये हड़प लिया।

कोतवाली पुलिस ने प्राथमिक जांच के बाद आरोपित नेता के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। भाजपा अनूप की पत्नी सीमा खरे पार्टी के टिकट पर नगर पालिका चेयरमैन का चुनाव लड़ चुकी हैं। अनूप भी शहर में युवा नेता के रूप में जाने जाते हैं। सीओ सिटी सत्येन्द्र भूषण तिवारी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। बैंक लेनदेन और अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है। आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

आप सरकार ने गरीबों से किया विश्वासघात, प्रताप सिंह बाजवा बोले- 35.27 लाख लाभार्थियों की पेंशन रोकी

चंडीगढ़, 03 जनवरी [एजेंसी]।

पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने कहा हैं कि आम आदमी पार्टी की सरकार संवेदनहीनता, गलत प्राथमिकताओं और गंभीर वित्तीय कुप्रबंधन के कारण राज्य भर में 35.27 लाख लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन से वंचित कर दिया है।बाजवा ने कहा कि लाखों वरिष्ठ नागरिक, विधवाएं, दिव्यांग व्यक्ति और अन्य कमजोर वर्ग महीनों से पेंशन का इंतजार करने को मजबूर हैं। जो उनकी आजीविका का एकमात्र सहारा है, जबकि मुख्यमंत्री भगवंत मान आत्म-प्रचार पर करोड़ों रुपये खर्च रहे है।उन्होंने कहा कि यह सर्वोच्च स्तर की नैतिक विफलता है। गरीबों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करके सत्ता में आई सरकार ने पंजाब के सबसे हाशिये पर खड़े नागरिकों को पूरी तरह छोड़ दिया है। इन पेंशनरों के लिए यह कोई दान नहीं। यह उनका अधिकार है। इतनी मामूली सहायता भी रोक लेना सरासर क्रूरता है। सरकार की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस नेता ने पूछा कि मान सरकार नई कल्याणकारी योजनाओं, जैसे स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रमों, की घोषणा कैसे कर सकती है, जब वह मौजूदा सामाजिक सुरक्षा पेंशनों का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने में विफल रही है। चमकदार घोषणाएं करने और कल्याण का भ्रम बेचने से पहले सरकार को उन लोगों के बकाया पहले चुकाने चाहिए जो उसकी लापरवाही के कारण पहले से ही पीड़ित हैं।

मुझे कुछ हुआ तो उत्तराखंड पुलिस और बीजेपी नेता होंगे जिम्मेदार उर्मिला सनावर ने देहरादून एसएसपी से लगाई सुरक्षा की गुहार

देहरादून। अंकिता भंडारी हत्याकांड में भाजपा नेताओं का खुलासा करने वाली अभिनेत्री उर्मिला सनावर ने एसएसपी देहरादून से सुरक्षा की गुहार लगाई है। एसएसपी को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि वह 25 सालों से अभिनय के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कम कर रही है।उनके पति सुरेश राठौड़ ने उन्हें कुछ रिकॉर्डिंग के माध्यम से अंकिता भंडारी हत्याकांड का खुलासा किया। रिकॉर्डिंग में भाजपा के बड़े नेता व अन्य कुछ वीआईपी के नाम का खुलासा हुआ। अब उनकी जान को खतरा बना हुआ है और पुलिस भी एसआइटी गठित कर उन्हें परेशान कर रही है जबकि वह पुलिस का पूरा सहयोग करने को तैयार है। इसके बाबजूद भी पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने पहुंच रही है इसलिए उन्हें पुलिस सुरक्षा की जरूरत है।

जल-जंगल-जमीन पर आदिवासियों का कब्जा: हेमंत सरकार ने जारी की पेसा की अधिसूचना

रांची, 03 जनवरी [एजेंसी]।

झारखंड सरकार के पंचायती राज विभाग ने ऐतिहासिक पेसा नियमावली को अधिसूचित कर दिया है। विगत 23 दिसंबर को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित राज्य कैबिनेट की बैठक में ही पेसा नियमावली पर सहमति बन गई थी, लेकिन दो मंत्रियों की ओर से कुछ बिंदुओं पर असहमति के कारण उस पर सरकार के शीर्ष स्तर पर फिर से विचार किया गया। इसमें मंत्रियों की ओर से प्रस्तावित बदलाव को स्वीकार कर लिया गया है और मुख्यमंत्री ने इस पर अपनी सहमति भी दे दी है। मंत्रिमंडल निगरानी एवं संबंध में विभाग ने मुख्यमंत्री की सहमति मिलने के बाद इसे पंचायती राज विभाग को भेज दिया, जहां से इसकी अधिसूचना जारी कर दी गई।अधिसूचना जारी होने के बाद राज्य के अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं के माध्यम से जनता का शासन चलेगा। पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) झारखंड नियमावली, 2025 की अधिसूचना जारी होते ही यह नियमावली राज्य के सभी पांचवीं अनुसूची क्षेत्रों में प्रभावी हो गई है। राज्य में ऐसे जिलों की संख्या 13 है और दो जिले ऐसे भी हैं जहां इस नियमावली का आंशिक प्रभाव पड़ेगा। माना जा रहा है कि इस निर्णय के साथ ही राज्य के आदिवासी और जनजातीय समाज को अपने गांव, संसाधन और विकास से जुड़े फैसलों में सीधा और निर्णायक अधिकार मिल गया है। पंचायती राज विभाग की ओर से अधिसूचित नई नियमावली में ग्राम सभा को शासन की सबसे मजबूत और सर्वोच्च इकाई के रूप में स्थापित किया गया है। अब प्रत्येक पारंपरिक ग्राम सभा की बैठक महीने में कम से कम एक बार अनिवार्य रूप से होगी। बैठक की अध्यक्षता गांव की परंपरा के अनुसार मांझी, मुंडा, पाहन जैसे पारंपरिक ग्राम प्रधान या अनुसूचित जनजाति के किसी सदस्य द्वारा की जाएगी। बैठक के लिए एक-तिहाई उपस्थित अनिवार्य है, जिसमें कम से कम एक-तिहाई महिलाएं होंगी। इससे महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को भी मजबूती मिलेगी।पेसा नियमावली 2025 के तहत अब कोई भी सरकारी विभाग या संस्था ग्राम सभा की अनुमति के बिना गांव में किसी विकास योजना को लागू नहीं कर सकेगी। यहां तक की पुलिस को भी कई कार्यों के लिए ग्राम सभा की अनुमति लेनी होगी। इसके अलावा, पुलिस को किसी भी गिरफ्तारी की जानकारी सात दिनों के भीतर ग्राम सभा को देना अनिवार्य किया गया है।डीसी के स्तर से गठित मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम (एमडीटी) ग्राम सभा से परामर्श कर वार्षिक विकास योजना तैयार करेगी। ग्राम सभा को इन योजनाओं पर 30 दिनों के भीतर निर्णय लेने का अधिकार होगा।यदि तय समय में निर्णय नहीं हुआ, तो योजना को स्वतः स्वीकृत माना जाएगा। खास बात यह है कि ग्राम सभा को योजनाओं में संशोधन, शर्तें जोड़ने या बदलाव करने का भी पूरा अधिकार दिया गया है।इस नियमावली का सबसे बड़ा असर क्षेत्र के सामुदायिक संसाधनों के प्रबंधन पर पड़ेगा। जल, जंगल और जमीन जैसे प्राकृतिक संसाधनों की देखरेख और उपयोग का अधिकार अब ग्राम सभा के पास होगा।इसके लिए ÷ग्राम सभा कोष की स्थापना की जाएगी, जिसमें चार प्रकार के कोष होंगे– अन्न कोष, श्रम कोष, वस्तु कोष और नगद कोष। इन कोषों का संचालन संचालन ग्राम सभा द्वारा चुने गए तीन सदस्यों के हाथों में होगा, जिनमें एक महिला सदस्य का होना अनिवार्य है।पेसा नियमावली 2025 ग्राम सभा को सामाजिक न्याय और शांति व्यवस्था के क्षेत्र में भी सशक्त बनाती है। ग्राम सभा अपने क्षेत्र में परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार विवादों का निपटारा कर सकेगी।भूमि विवाद, पारिवारिक मामले और छोटे-मोटे आपराधिक प्रकरणों की सुनवाई ग्राम सभा कर सकेगी। वह अधिकतम दो हजार रुपये तक का आर्थिक दंड लगा सकती है, हालांकि इसके खिलाफ अपील का प्रविधान भी किया गया है। नियमावली में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि सरकार द्वारा बनाए गए कोई नियम या निर्णय जनजातीय परंपराओं और रीति-रिवाजों के अनुरूप नहीं हैं, तो ग्राम सभा उनके खिलाफ प्रस्ताव पारित कर सकती है। ऐसे मामलों में राज्य सरकार उच्चस्तरीय समिति का गठन कर विचार करेगी।- ग्राम समा आर्थिक दंड अधिकतम रु0 2,000/- तक का निर्धारण, आर्थिक नुकसान एवं व्यक्ति की क्षमता को देख कर सकेगी, जिसे ग्राम सभा के कोष में जमा करना अनिवार्य होगा।

अफसरशाही हावी, भ्रष्टाचार बढ़ा, प्रदीप वर्मा बोले- बीजेपी से डरकर सरकार नहीं करा रही नगर निकाय चुनाव

रांची, 03 जनवरी [एजेंसी]।

जिले के बुंडू स्थित राधारानी मंदिर प्रांगण में भाजपा द्वारा 5 जनवरी को अनुमंडल कार्यालय बुंडू में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन को सफल बनाने को ले तैयारी बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता बुंडू नगर मंडल अध्यक्ष सुबोध मुखर्जी ने की तथा संचालन भाजयुमो जिलाध्यक्ष विवेक जायसवाल ने किया। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सह भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते डॉ. प्रदीप वर्मा ने कहा राज्य में अफसरशाही हावी है और चुने हुए जनप्रतिनिधियों (पार्षद, मेयर आदि) के न होने से नगर निकायों में मनमानी और भ्रष्टाचार बढ़ गया है। उन्होंने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा सरकार भाजपा से डरी हुई है इसलिए नगर निकाय चुनाव जानबूझकर नहीं कराना चाहती है। डॉ. प्रदीप वर्मा ने कहा दलीय आधारित चुनाव होने पर लोकतांत्रिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष विनय महतो धीरज ने कार्यकर्ताओं से धरना प्रदर्शन को ऐतिहासिक बनाने की अपील की। साथ ही कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी वार्ड के लिए प्रभारी भी नियुक्त किए। बैठक को वर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश उरांव ने भी संबोधित किया। मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता रंजीत लाहेरी, पूर्व जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह मुंडा, पूर्व मंडल अध्यक्ष आलोक दास, मंडल अध्यक्ष मेघनाथ महतो, अंबुज रजक, खगेश महतो, सुभाष महतो, महावीर सोनी, कालीचरण मुंडा, पूर्व मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र नाथ महतो, बंटी चौधरी, कैलाश समेत कई लोग उपस्थित रहे।वहीं, कार्यक्रम को सफल बनाने में वार्ड 1 से भास्कर मुखर्जी, वार्ड 2 से चंदन मछुआ, विशाल कुमार, वार्ड 3 से कैलाश हलवाई, विशाल कुमार, वार्ड 4 से सुबोध मुखर्जी, वार्ड 5 से अर्जुन महतो, धीरेंद्र नाथ महतो, वार्ड 7 से आलोक दास, किरण देवी, वार्ड 8 से राजेश उरांव, वार्ड 9 से विवेकानंद जायसवाल, वार्ड 10 से रंजीत लाहेरी, वार्ड 12 से लक्ष्मण सिंह मुंडा एवं वार्ड 13 से महेश मुंडा शामिल रहे।

एक जैसा नाम होने पर पुलिस ने निर्दोष को बना दिया बिजली चोर, 12 साल बाद 73 साल के तुहीराम को मिला इंसाफ

आगरा। बिजली चोरी के मामले में एक जैसा नाम होने के कारण पीड़ित 12 वर्ष तक आरोपित बना रहा। पुलिस की लापरवाही के कारण खुद को निर्दोष साबित करने के लिए उसने न्यायालय के 12 वर्ष तक

चक्कर लगाए। विशेष न्यायाधीश आर्थिक अपराध ज्ञानेंद्र राव ने अछनेरा क्षेत्र के गांव साही निवासी 73 वर्षीय तुहीराम पुत्र मोहन को निर्दोष करार देते हुए बरी करने का आदेश दिया है। न्यायालय ने आदेश में लिखा है कि बिजली विभाग आरोपित पर कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है।बिल का भुगतान नहीं करने पर गांव साही में 22 नवंबर 2012 को बिजली विभाग की टीम ने बकायेदारों के कनेक्शन काट दिए थे। 29 नवंबर को चेकिंग में कुछ ग्रामीण कटिया डालकर बिजली चोरी करते हुए पकड़े गए। अवर अभियंता की ओर से अछनेरा थाने में बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने विवेचना के बाद पांच आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया। पुलिस ने आरोप पत्र में तुहीराम पुत्र मोहन को आरोपित बनाया था, जबकि बिजली विभाग की टीम ने बिजली चोरी करते हुए तुहीराम पुत्र मोना राम को पकड़ा था।बिजली चोरी के मुकदमे में निर्दोष होने के बाद भी आरोपित बनाए जाने के लिए तुहीराम ने बिजली विभाग, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के चक्कर लगाकर शिकायतें कीं, लेकिन समाधान नहीं निकला। 2014 में अदालत से नोटिस आने पर उनके होश उड़ गए। उन्हें निर्दोष होने बाद भी 12 साल अदालत के चक्कर काटने पड़े। अब अदालत ने उन्हें निर्दोष करार दिया है। निर्दोष करार दिए गए तुहीराम के दामन पर दाग पुलिस की लापरवाही से लगा। 73 वर्षीय किसान तुहीराम ने बताया कि समाज में उनकी छवि धूमिल हुई। उन्होंने हर विभाग के चक्कर लगाए, लेकिन किसी ने उसकी शिकायत पर ध्यान नहीं दिया। न्यायालय के मामला पहुंचने पर उसकी पैरवी की। 12 साल तक न्यायालय के चक्कर लगाए। इसमें समय और धन दोनों बर्बाद हुआ। राहत इस बात कही है कि दामन पर लगा चोरी का दाग तो हट गया।बताया कि 2007 में ही उन्होंने अपने नाम का कनेक्शन कटवाकर अपने बेटे कृष्णा के नाम से दूसरा कनेक्शन करा दिया था। उनके नाम पर कोई बिजली बिल भी बकाया नहीं था। 2012 में जब मुकदमा दर्ज हुआ तब तक उन्हें कुछ नहीं पता था। अदालत का नोटिस मिलने के बाद मामले की जानकारी हुई।

बिहार की महिलाओं पर आपत्तिजनक बयान निंदनीय, महिला आयोग की अध्यक्ष ने सीएम धामी को लिखा पत्र

पटना। राज्य महिला आयोग, पटना ने उत्तराखंड की महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या के पति गिरधारी लाल साहु के बिहार की महिलाओं पर शर्मनाक बयान पर स्वतः संज्ञान लिया है।राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष अप्सरा ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर बयान को अत्यंत निंदनीय और महिलाओं को गहरा आघात पहुंचाने वाला बताया है। बिहार की हर महिला खुद को अपमानित महसूस कर रही हैं। बयान में साहु ने कहा है कि लड़कियां 20-25 हजार रुपये में मिल जाती है।आयोग का मानना है कि जिस परिवार में स्वयं रेखा आर्या जैसी महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री निवास करती हो उसी परिवार के सदस्य द्वारा महिलाओं के प्रति इस प्रकार का आपत्तिजनक बयान दिया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।बिहार राज्य महिला आयोग, पटना इस बयान को बिहार की महिलाओं के स्वाभिमान पर सीधा आघात मानता है। मुख्यमंत्री अपने स्तर से त्वरित कार्रवाई करें। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने कहा कि इस तरह बयान दूषित मानसिकता को दर्शाता है। देश के विकास में बिहार की महिलाओं का बड़ा योगदान है।

कागजी प्रोग्रेस नहीं, जमीनी रिजल्ट चाहिए, लाइट हाउस प्रोजेक्ट की धीमी प्रगति पर प्रमुख सचिव का फूटा गुस्सा

लखनऊ। शहरी विकास योजनाओं की प्रगति का आकलन करते हुए प्रमुख सचिव नगर विकास पी. गुरू प्रसाद ने शुक्रवार को राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा) द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की और स्पष्ट किया कि कागजी उपलब्धियों के बजाय जमीनी परिणाम ही अब मूल्यांकन का आधार होंगे। उन्होंने लंबित परियोजनाओं को तय समय सीमा में पूरा करने के सख्त निर्देश दिए हैं।प्रमुख सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के प्रथम चरण में लंबित 64 हजार से अधिक आवासों को निर्धारित समय सीमा में पूरा कराया जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 की समीक्षा के दौरान निदेशक सूडा अपूर्वा दुबे ने बताया कि अब तक 23 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से चार लाख आवेदनों का सत्यापन पूरा किया जा चुका है। प्रमुख सचिव ने कहा कि जहां परियोजनाओं की प्रगति धीमी है, वहां प्राधिकरणों, निजी डेवलपर्स, नगर निगमों और हाउसिंग बोर्ड के साथ समन्वय बनाकर कार्यों में तेजी लाई जाए।

छेर छेरा ! कोठी के धान ला हेर हेरा

'छेर छेरा ! कोठी के धान ला हेर हेरा !' यही आवाज़ आज प्रदेश के ग्रामीण अंचल में गूंजी और दान के रूप में धान और नगद राशि बांटी गई।

त्योहार को छत्तीसगढ़ी में तिहार कहा जाता है। छेरछेरा छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख त्योहार है। नई फसल के घर आने की खुशी में अन्नदान और फसल उत्सव के रूप में पौष मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है।

इस दिन युवक घर-घर जाकर डंडा नृत्य करते हैं और अन्न का दान माँगते हैं। धान मिंसाई हो जाने के चलते गाँव में घर-घर धान का भंडार होता है, जिसके चलते लोग छेर छेरा माँगने वालों को दान करते हैं।

छेरछेरा तिहार पौष पूर्णिमा को मनाया जाता है। वर्ष 2026 में पौष पूर्णिमा 3 जनवरी 2026 को है तो छेरछेरा भी इसी दिन है। इसी दिन पूरे छत्तीसगढ़ में छेरछेरा पुन्नी मनाई जाएगी। यह तिथि बेहद खास होती है, क्योंकि यह नई फसल के आगमन का त्योहार है। कई लोग इस दिन शाकंभरी देवी की पूजा करके उन्हें नई फसल अर्पित करते हैं, जिन्हें अन्नपूर्णा का रूप माना जाता है।

कब हुई शुरुवात

पांडुलिपियों के अनुसार, कलचुरी राजवंश के नरेश कल्याणसाय व मण्डल के राजा के बीच विवाद हुआ, और इसके पश्चात तत्कालीन मुगल शासक अकबर ने उन्हें दिल्ली बुलावा लिया। कल्याणसाय 8 वर्षो तक दिल्ली में रहे।

8 वर्ष बाद कल्याणसाय राजधानी रतनपुर वापस पंहुचे। जब प्रजा को राजा के लौटने की खबर मिली, प्रजा पूरे जश्न के साथ राजा के स्वगात में राजधानी रतनपुर आ पहुँची। प्रजा के इस प्रेम को देख कर रानी फुलकेना द्वारा रत्न और स्वर्ण मुद्राओ की बारिश करवाई गई और रानी ने प्रजा को हर वर्ष उस तिथि पर आने का न्योता दिया। तभी से राजा के उस आगमन को यादगार बनाने के लिए छेरछेरा पर्व की शुरुवात की गई। राजा जब घर आये तब समय ऐसा था, जब किसान की फसल भी खलिहानों से घर को आई, और इस तरह जश्न में हमारे खेत और खलिहान भी जुड़ गए।

सबसे बड़ा लोक पर्व छेरछेरा पुन्नी सोमवार को राजधानी समेत पूरे प्रदेश में महादान के रूप में मनेगा। जितना हो सके, जो भी हो सके, एक दूसरे की मदद, सहयोग करने का संदेश यह पर्व देता है। कोरोनाकाल जैसे संकट के दौर में तो ये पर्व और अधिक प्रासंगिक हुआ है। जब अधिक से अधिक जरूरतमंदों की मदद में हाथ आगे बढ़ सके। छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा के इस पर्व पर द्वार-द्वार छेरी के छेरा छेरछेरा, माई कोठी के धान ल हेरहेरा की आवाज अपनी परंपरा और संस्कृति का आभास कराएगी। क्योंकि इसी बलबूते पर गांधी मैदान में सबसे पुराना कांग्रेस कमेटी का भवन इसी परंपरा से बना था।

पौष माह के पूर्णिमा तिथि पर यह पर्व धूमधाम के साथ मनाया जाता है। मान्यता यही कि किसान परिवारों की कोठी धान से छलकती है, उसी में से कुछ दान करने का पर्व है पुन्नी छेरछेरा। जो कि पूरे छत्तीसगढ़ में मनाए जाने वाला दान का महापर्व, जब यहां हर छोटा-बड़ा, अमीर-गरीब के भेद को करने का संदेश देता है।

विशेषता यह कि शरीफ की फसल घर में आ जाने के बाद मनाया जाता है। इस दिन गांव हो या शहर बुजुर्ग, युवा, बच्चे छेरछेरा का उत्सव मनाते हैं। नाचते-गाते टोलियां बाजारों कॉलोनियों और मोहल्लों में पहुंचती हैं। छेरछेरा उत्सव में छत्तीसगढ़ी पकवान चीला, ठेठरी, खुरमी जैसे पकवान बनाकर अपने ईष्टदेवता, ग्रामदेवता और धरती माता की पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। ताकि जीवन में खुशहाल बनी रहे। जिस शकंभरी पूजा भी कहा जाता है।

यह है छेरछेरा की पौराणिक मान्यता

भगवान शिव भिक्षा मांगने पार्वती के घर गए थे। वह तिथि थी मौष महीने की पूर्णिमा। इसी मान्यता से छेरछेरा पर्व मनाया जाता है। जनमानस में प्रचलित कथा के अनुसार पार्वती से विवाह पूर्व भोलेनाथ ने कई किस्म की परीक्षाएं ली थी। उनमें एक परीक्षा यह भी थी कि वे नट बनकर नाचते-गाते पार्वती के घर भिक्षा मांगने पहुंचे और स्वयं ही अपनी निंदा करने लगे थे, ताकि पार्वती उनसे विवाह करने के लिए इंकार कर दें। परंतु ऐसा दृढ़ संकल्प की माता पार्वती नहीं डिगीं। वही छेरछेरा के रूप में मनाने की परंपरा है।

पौराणिक मान्यता

पौराणिक मान्यता के अनुसार आज ही के दिन भगवान शंकर ने माता अन्नपूर्णा से भिक्षा मांगी थी, आज ही मां शाकम्भरी जयंती है। मां दुर्गा ने पृथ्वी पर अकाल और गंभीर खाद्य संकट से निजात दिलाने के लिए शाकम्भरी का अवतार लिया था. इसलिए इन्हें सब्जियों और फलों की देवी के रूप में भी पूजा जाता है।

सुबह उठते ही इन पवित्र पेड़-पौधों के करें दर्शन, दुख-दरिद्रता होगी दूर

हर कोई चाहता है कि सुबह की शुरुआत अच्छी हो, जिससे पूरा दिन सुखद और सकारात्मक बीते। अधिकांश लोग सुबह उठते ही भगवान का नाम लेते हैं और अच्छे दिन की कामना करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि वास्तु शास्त्र के अनुसार दिन की शुरुआत पवित्र पेड़-पौधों के दर्शन से करने मात्र से भी मन शांत होता है, तनाव दूर होता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है। हिंदू धर्म में कई पौधों को सौभाग्य, समृद्धि और शांति का प्रतीक माना गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि सुबह उठकर इन पौधों के दर्शन मात्र से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और जीवन में शुभ योग बढ़ते हैं।

बेल का वृक्ष -बेल का वृक्ष भगवान शिव की कृपा का विशेष प्रतीक माना जाता है। ऐसा विश्वास है कि सुबह उठकर इस पवित्र वृक्ष के दर्शन करने भर से ही मन के नकारात्मक विचार दूर होने लगते हैं और भीतर एक नई ऊर्जा का संचार होता है। कहा जाता है कि यह वृक्ष व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों में भी मानसिक शक्ति और साहस प्रदान करता है। शिव को बेलपत्र अत्यंत प्रिय होते हैं, इसलिए बेल वृक्ष का धार्मिक महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है।

तुलसी-तुलसी को देवी लक्ष्मी का प्रत्यक्ष स्वरूप माना गया है, इसलिए सुबह उठते ही तुलसी के दर्शन करना अत्यंत शुभ माना जाता है। स्नान के बाद तुलसी पर जल अर्पित करने और उसकी परिक्रमा करने से घर में सौभाग्य, धन और मानसिक शांति का आशीर्वाद मिलता है। ऐसा भी कहा जाता है कि जहां तुलसी का पौधा होता है, वहां कलह, बीमारी और नकारात्मक ऊर्जा अपने-आप दूर हो जाती है और घर का वातावरण हमेशा पवित्र और सकारात्मक बना रहता है।

अशोक वृक्ष -अशोक वृक्ष को ब्रह्मवैवर्त पुराण में अत्यंत शुभ और मंगलकारी माना गया है। मान्यता है कि जहां यह वृक्ष होता है, वहां दुख, भय और बाधाओं का प्रवेश नहीं होता। सुबह उठकर अशोक वृक्ष के दर्शन करने से मन का तनाव कम होता है, नकारात्मक विचार दूर होते हैं और पूरे दिन मानसिक शांति तथा सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है।

आंवला -

आंवला वृक्ष को आयुर्वेद और हिंदू धर्म दोनों में अत्यंत पवित्र माना गया है। सुबह उठकर इसके दर्शन करने से शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और स्वास्थ्य बेहतर बना रहता है।

1 महीने तक संतरा खाने के फायदे

सर्दियों में मौसम के बदलने के साथ शरीर कई तरह की समस्याओं का सामना करता है। ठंड के मौसम में शरीर कमजोर पड़ जाता है और वायरल इंफेक्शन, खांसी, जुकाम, गले में खराश जैसी परेशानियां बढ़ जाती हैं। ऐसे में संतरा एक ऐसा फल है जिसे स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। जाना एक महीने तक संतरे का सेवन करने से न केवल शरीर को कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं बल्कि इम्यूनिटी भी मजबूत होती है।संतरे में विटामिन सी, विटामिन ए, फाइबर, पोटैशियम, कैल्शियम, कोलीन और एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं। विशेष रूप से विटामिन सी सर्दियों में इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद करता है।

संतरे का सेवन कैसे करें

संतरे को आप कई तरह से अपने डाइट में शामिल कर सकते हैं।

फल के रूप में सीधे खाएं,सलाद में डालें,ताजा जूस बनाकर पिएं।

संतरे का जूस बनाने की विधि

सामग्री

संतरा

चीनी (वैकल्पिक)

नमक (वैकल्पिक)

विधि

संतरे को अच्छी तरह धोकर पोंछ लें।

उन्हें छीलकर जूसर में डालें।

जूसर चलाकर संतरे का जूस निकाल लें।

अगर चाहें तो जूस में चीनी या हल्का नमक मिला सकते हैं।

ताजे जूस को तुरंत पिएं।

संतरे के खाने के फायदे

इम्यूनिटी बढ़ाए- संतरे में उच्च मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है, जो शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। सर्दियों में संक्रमण से बचने के लिए संतरे का सेवन फायदेमंद है।

पाचन सुधारें- संतरे में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है और कब्ज जैसी समस्याओं को दूर करता है।

त्वचा के लिए लाभकारी- संतरे में मौजूद विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को स्वस्थ और ग्लोइंग बनाए रखने में मदद करते हैं।

ठंड में मुरझा रहा है गुलाब का पौधा तो ताजे रखनें के लिए अपनाएं ये 5 आसान तरीके

सर्दियों में इंसान ठिठुर जाता है, तो पेड़-पौधों का क्या हाल होगा? खासकर गुलाब जैसे नाजुक पौधे, जो पूरी तरह से बाहर रहते हैं, ठंड में कमजोर और मुरझाए हुए दिखाई देते हैं। अगर आपके गुलाब के पौधे भी इस मौसम में सूखने लगे हैं या उनकी ग्रोथ रुक गई है, तो इन 5 आसान तरीकों से आप उन्हें फिर से हरा-भरा और फूलों से लदवा सकते हैं।

गुलाब के गमले में चाय की पत्ती डालें

गुलाब के पौधों को जल्दी सूखने से बचाने के लिए गमले की मिट्टी में 2-3 चम्मच चाय की पत्ती डालें।

बची हुई चायपत्ती को जड़ों के पास मिट्टी में अच्छी तरह मिला दें।

हल्का पानी डालें।

इससे पौधे में नई पत्तियां और कलियां आने लगेंगी और पौधा स्वस्थ रहेगा।

नींबू का फर्मेंटेड पानी दें

नींबू का पानी गुलाब के पौधों की लाइफ बढ़ाने में मदद करता है।

कुछ नींबू के टुकड़े पानी की बोतल में डालकर 1-2 दिन के लिए छोड़ दें।

इस पानी को स्प्रे बॉटल में भरकर पौधों पर छिड़कें।इससे पौधों में नई जान आएगी और फूल ज्यादा समय तक ताजा रहेंगे।

पर्याप्त धूप और सही मात्रा में पानी दें

गुलाब को हर दिन कम से कम 5-6 घंटे की धूप चाहिए।

जब भी धूप निकले, पौधों को बाहर रखें।

बहुत अधिक पानी न दें। मिट्टी सूखी हो तो ही पानी डालें।

गीली मिट्टी में पानी डालने से जड़ सड़ सकती है।

पोषक तत्व और छंटाई

मिट्टी में वर्मीकम्पोस्ट या खाद 15-30 दिन के अंतराल पर डालें।

मिट्टी की हल्की गुड़ाई करें।

सूखी पत्तियों, टहनियों और शाखाओं की छंटाई करें।

इन उपायों से पौधे में नई ग्रोथ होगी और फूल खिलेंगे।

कीट और फंगस से बचाव

गुलाब को कीट और फंगस से बचाने के लिए नीम ऑयल या रोज़ गार्ड स्प्रे का इस्तेमाल करें।इससे पौधा स्वस्थ रहेगा और ठंड में भी मुरझाएगा नहीं।सर्दियों में गुलाब के पौधों की देखभाल थोड़ी चुनौतीपूर्ण होती है, लेकिन इन आसान तरीकों को अपनाकर आप अपने गुलाब को हरा-भरा और फूलों से लदवा सकते हैं। नियमित देखभाल, सही पानी, पोषण और कीट नियंत्रण से आपका गुलाब का पौधा ठंड में भी सुंदरता और सुगंध बनाए रखेगा।

रात भर शहद डुबाकर रख दें ये 2 ड्राई फ्रूट, फिर देखें चमत्कार, शरीर रहेगा ताकतवर

आज के समय में लोगों की बॉडी में पहले जैसी ताकत रही ही नही है। फस्ट फूड के सेवन करने से शरीर भी इंसान का धीरे-धीरे कमजोर होता है जा रहा है। शरीर में ताकत और स्टेमिना की कमी पर्याप्त पोषण न मिलने के कारण होती है। अगर आप भी चाहते हैं कि आपकी बॉडी फिट और मजबूत रहे, तो आप रात भर शहद में ये 2 ड्राई फ्रूट को डुबोकर रख दें फिर अगले दिन इसके सेवन से गजब के फायदे मिलते हैं। खराब जीवनशैली और गलत खानपान के कारण आजकल के लोगों का शरीर खोखला होता जा रहा है। अत्याधिक जंक फूड के सेवन करना या फिर एक्सरसाइज न करने से मनुष्य का शरीर कमजोर होता जा रहा है। कई बार पोषण की कमी से शरीर कुपोषित हो जाता है। इसलिए पर्याप्त न्यूट्रिशन लेने के लिए रात भर शहद में ये 2 ड्राई फ्रूट को डुबोकर रख दें फिर अगले दिन इसके सेवन से गजब के फायदे मिलते हैं।

आजकल ज्यादातर लोगों में कमजोरी, स्टेमिना में कमी, थकान रहती हैं उन लोगों को काजू-बादाम शहद में भिगोकर खाना चाहिए। एक्सपर्ट के मुताबिक, यह एक शक्तिशाली उपाय है, जिस दिन से यह आप खाना शुरु करेंगे, उसी दिन से असर दिखेगा।शहद में डुबे हुए ड्राई फ्रूट्स खाने से मसल्स को ताकत मिलती है। बादाम के हेल्दी फैट, काजू का नेचुरल शुगर और शहद के गुण मिलाकर इसका लेवल बढ़ाते हैं। इसे खाने के बाद स्टेमिना के लेवल अच्छे से बढ़ता है। जिन लोगों का ब्लड शुगर लेवल कम रहता है तो ठीक नहीं माना जाता है। ऐसे लोगों को मीठा खाने की सलाह दी जाती है। शहद में भीगे हुए बादाम-काजू खाने से नेचुरल शुगर मिलती है। जिससे ब्लड शुगर कंट्रोल रहता है।आमतौर पर ड्राई फ्रूट्स में प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, विटामिन बी, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, ओमेगा 3 मिलता है। शहद के अंदर भी ऐसे शक्तिशाली तत्वों पाए जाते हैं। हाई ब्लड प्रेशर को कम करता है।इसके लिए रात को 3 बादाम की गिरी और 3 काजू को 1 चम्मच शहद में रातभर के लिए अच्छे डुबों दें और सुबह खाली पेट खाएं। वहीं, जिन लोगों को ड्राई फ्रूट से एलर्जी या डायबिटीज हो, वो इसका प्रयोग न करें।

बदलते मौसम में बच्चों में बढ़ जाता है इंफेक्शन का खतरा, जानें कैसे करें बचाव

बदलते मौसम का सबसे ज्यादा असर बच्चों की सेहत पर पड़ता है। खासकर जब गर्मी से सर्दी या अचानक मौसम बदलता है, तब बच्चों में इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। छोटे बच्चों का इम्यून सिस्टम अभी पूरी तरह से मजबूत नहीं होता, इसलिए वायरस, बैक्टीरिया और एलर्जी से वे जल्दी प्रभावित हो जाते हैं। इस दौरान सर्दी-जुकाम, फ्लू, वायरल बुखार, खांसी, गले में खराश और सांस से जुड़ी परेशानियां आम हो जाती हैं। बदलते मौसम में ये इंफेक्शन सबसे ज्यादा फैलते हैं और माता-पिता को समय रहते सावधान रहना चाहिए।

बच्चों में आम इंफेक्शन

सर्दी-जुकाम

खांसी और गले में खराश

फ्लू और वायरल बुखार

एलर्जी

सांस संबंधी परेशानियां

बच्चों की देखभाल कैसे करें

बच्चों को सर्दी में राहत दिलाएंगे ये असरदार टिप्स, अब नहीं होगा नाक बंद

इम्यूनिटी बढ़ाएं

बच्चों को मजबूत बनाने के लिए उनके आहार का विशेष ध्यान रखना बहुत ज़रूरी है। संतुलित आहार में ताजे फल, हरी सब्ज़ियां, दालें, अनाज और पर्याप्त प्रोटीन शामिल करें। प्रोटीन मांस, अंडे, दही या पनीर के रूप में भी दिया जा सकता है। इसके अलावा विटामिन और मिनरल्स से भरपूर चीज़ें जैसे नारंगी, सेब, गाजर, पालक आदि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं। अगर बच्चों को सही पोषण मिलता है तो उनका शरीर वायरस और बैक्टीरिया से लड़ने में ज्यादा सक्षम होता है।

हाइड्रेशन

बच्चों को दिनभर पर्याप्त पानी पिलाना बहुत ज़रूरी है। पानी से शरीर में पानी की कमी नहीं होती और शरीर के अंग सही तरीके से काम करते हैं। इसके अलावा जूस, दूध और सूप जैसी चीज़ें भी हाइड्रेशन में मदद करती हैं। ठंडे या गर्म मौसम में बच्चे अक्सर पानी कम पीते हैं, इसलिए उन्हें समय-समय पर पानी पिलाना चाहिए। हाइड्रेटेड रहने से बच्चों की त्वचा, पाचन और इम्यूनिटी भी मजबूत रहती है।

व्यायाम और खेल-कूद

रोजाना खेल-कूद और हल्का व्यायाम बच्चों की सेहत और इम्यूनिटी के लिए बहुत जरूरी है। यह उनकी मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत बनाता है और शरीर में खून का प्रवाह बढ़ाता है। बच्चे जब खेलते हैं तो उनका दिमाग भी सक्रिय रहता है और वे मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहते हैं। सुबह या शाम को खुली हवा में खेलने से बच्चों में ऊर्जा बढ़ती है और उन्हें बीमारियों से लड़ने की शक्ति मिलती है।

नींद का ध्यान रखें

बच्चों को पर्याप्त नींद लेने देना बहुत ज़रूरी है। नींद पूरी होने पर उनका शरीर खुद को ठीक करता है और संक्रमण से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। छोटे बच्चों को 9-12 घंटे और बड़े बच्चों को 8-10 घंटे की नींद की आवश्यकता होती है। सोने का नियमित समय बनाने से उनकी दिनचर्या सही रहती है और वे मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनते हैं।

मौसम के अनुसार कपड़े पहनाएं

मौसम के बदलाव में सही कपड़े पहनाना बच्चों की सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अचानक ठंड या गर्मी में बाहर जाने से इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। सर्दी में बच्चों को गर्म कपड़े पहनाएँ, और गर्मियों में हल्के और आरामदायक कपड़े दें। बारिश या धूल भरे मौसम में उन्हें सुरक्षित रखने के लिए जैकेट या मास्क का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

साफ-सफाई

साफ-सफाई बच्चों को बीमारियों से बचाने का सबसे आसान और असरदार तरीका है। बच्चों को धूल, धुआं और प्रदूषण से दूर रखें। घर और कमरे को साफ, हवादार और कीटाणुरहित रखें। बच्चों को नियमित रूप से हाथ धोने की आदत डालें, खासकर खाना खाने से पहले और बाहर से आने के बाद। इससे वायरस और बैक्टीरिया के संक्रमण का खतरा काफी कम हो जाता है।

वैक्सीनेशन और डॉक्टर से सलाह

बच्चों का समय पर वैक्सीनेशन बहुत जरूरी है। वैक्सीन शरीर को संक्रमण से लड़ने के लिए तैयार करती है। अगर बच्चे में किसी भी तरह के शुरुआती लक्षण दिखें, जैसे बुखार, खांसी या गले में खराश, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। समय रहते इलाज और देखभाल करने से संक्रमण बढ़ने से बचता है और बच्चे जल्दी स्वस्थ हो जाते हैं।

आराम और सक्रिय दिनचर्या

बच्चों को पर्याप्त आराम और सक्रिय दिनचर्या देना बहुत ज़रूरी है। दिनभर एक्टिव रहने से उनका शरीर मजबूत रहता है और नींद अच्छी आती है। इसके अलावा खेल-कूद, पढ़ाई और आराम का संतुलन बनाए रखना बच्चों को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखता है। बच्चों को टीवी या मोबाइल पर ज्यादा समय न बिताने दें और उन्हें खेलों और बाहरी गतिविधियों के लिए प्रेरित करें।

बदलते मौसम में इन सावधानियों का पालन करने से बच्चे इंफेक्शन से सुरक्षित रह सकते हैं और स्वस्थ रहकर हर मौसम का मज़ा ले सकते हैं।

रविवार दिवस को शहर की सड़को पर उतरेंगे बहरूपिया, हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी बड़ा आयोजन

यूथ क्लब चिरमिरी के तत्वधान में आयोजन की बनी रूप रेखा. वर्तमान परिवेश के साथ अपनी कला की होगी प्रदर्शनी

चिरमिरी। कल दिवस रविवार 4 जनवरी को चिरमिरी के हृदय स्थल हल्दीबाड़ी में भव्य बहरूपिया प्रतियोगिता का आयोजन हर वर्ष की तहर इस वर्ष भी होने जा रहा है जहाँ स्थानीय कलाकारों के साथ आस पास के सैकड़ो युवाओं, महिलाओं के साथ छोटे छोटे बच्चों द्वारा वर्तमान परिवेश के वेश भूसा में अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे इस बड़े आयोजन को लेकर युथ क्लब चिरमिरी की टीम के साथ स्थानीय प्रशासन ने भी आयोजन को संपन्न कराने पूरी तैयारी कर ली है।

यूथ क्लब चिरमिरी द्वारा इस बड़े आयोजन की संपूर्ण जानकारी साझा करते हुए बताया की हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बहरूपिया प्रतियोगिता का आयोजन शहर के हृदय स्थल हल्दीबाड़ी में किया जा रहा है । इस आयोजन में जहाँ शहर के स्थानीय कलाकारों ने हिस्सा लिया वही सैकड़ो की संख्या में शहर के आस पास के जिलों से भी अपनी कला का प्रदर्शन करने एकल और समूह में सैकड़ों की संख्या में प्रतिभागी हिस्सा लिया है । जिसमें एकल एवं समूह के प्रथम,द्वितीय,तृतीय, चतुर्थ, पंचम स्थान के प्रतिभागियों को ढेरों आकर्षक पुरस्कारों से पुरस्कृत किया जाएगा तथा शेष सभी प्रतिभागियों को विशेष सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाएगा । यह आयोजन रविवार की सुबह 10 बजे से शुरू होगी, जो सायं 04 बजे तक चलेगी। इस दौरान प्रतिभागी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद निर्णायक मंडल प्रतिभागियों के प्रदर्शन के आधार पर उन्हें प्रथम, द्वितीय, तृतीय व अन्य स्थान देंगे। तदोपरांत प्रतिभागियों को मंच से अतिथियों द्वारा ढेरों आकर्षक पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाएगा। यूथ क्लब द्वारा आयोजित इस बहरूपिया प्रतियोगिता में चिरमिरी के गणमायजनों, सम्माननीय व्यापारीजनों, जनप्रतिनिधियों के सहयोग से सफलतापूर्वक कई वर्षों से आयोजित किया जा रहा है।

इस प्रतियोगिता की प्रसिद्धि इतनी बढ़ चुकी है कि अब इसे बहरूपिया महोत्सव के नाम से पूरे छत्तीसगढ़ में जाना जाता है एवं इसमें हिस्सा लेने प्रतिभागी एमसीबी, कोरिया, सूरजपुर, सरगुजा, धमतरी के साथ ही पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश से भी उपस्थित हो रहे है। कार्यक्रम के आयोजनकर्ताओं ने क्षेत्र के सम्माननीय नागरिकों से अपील की है कि वे अपने परिवारजनों, इष्ट मित्रो के साथ सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाए और प्रतिभागियों, आयोजन समिति का उत्साहवर्धन एवं मार्गदर्शन प्रदान करे।

हायर सेकेंडरी स्कूल सलका में कबाड़ बिक्री को लेकर गंभीर सवाल, जांच की उठी मांग

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर के समीप स्थित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल सलका इन दिनों विवादों में घिरा हुआ है। विद्यालय के प्राचार्य रमाशंकर साहू पर शाला की पुरानी टेबल-कुर्सी सहित अन्य शासकीय सामान को बिना किसी पूर्व सूचना, बिना शाला प्रबंधन समिति की जानकारी और शिक्षकों को अवगत कराए, शीतकालीन अवकाश के दौरान बेचने का आरोप लगा है। यह कथित घटना दिनांक 23 दिसंबर को शाम के समय की बताई जा रही है, जिसने स्कूल प्रबंधन की पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शीतकालीन अवकाश के कारण विद्यालय बंद था। इसी दौरान प्राचार्य द्वारा कबाड़ के नाम पर स्कूल परिसर से पुरानी टेबल-कुर्सी एवं अन्य सामग्री बाहर ले जाकर बेच दी गई। आश्चर्यजनक बात यह है कि इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी न तो शाला प्रबंधन समिति को दी गई और न ही किसी शिक्षक-शिक्षिका को। नियमों के अनुसार शासकीय विद्यालय की किसी भी संपत्ति की नीलामी अथवा बिक्री से पूर्व शाला प्रबंधन समिति की अनुमति, प्रस्ताव एवं विधिवत प्रक्रिया का पालन आवश्यक होता है, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं किया गया। शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों का कहना है कि उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई है। यदि वास्तव में कबाड़ बिक्री की गई है तो उसका प्रस्ताव, नीलामी प्रक्रिया, प्राप्त राशि और उसका उपयोग स्पष्ट किया जाना चाहिए। समिति के सदस्यों ने आशंका जताई है कि यह केवल पुराने फर्नीचर तक सीमित मामला नहीं हो सकता, बल्कि स्कूल से अन्य उपयोगी सामान के भी गायब होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं में भी इस घटना को लेकर रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि प्राचार्य द्वारा एकतरफा निर्णय लेना न केवल प्रशासनिक नियमों का उल्लंघन है, बल्कि इससे विद्यालय की छवि भी धूमिल हो रही है। शिक्षकों के अनुसार, यदि सामान वास्तव में अनुपयोगी था तो भी उसकी विधिवत सूची बनाकर, समिति की बैठक बुलाकर, पारदर्शी प्रक्रिया से नीलामी की जानी चाहिए थी। स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों ने भी इस मामले में नाराजगी जाहिर की है। उनका कहना है कि शासकीय स्कूल की संपत्ति जनता की होती है और उसका उपयोग या निस्तारण पूरी पारदर्शिता के साथ होना चाहिए। शीतकालीन अवकाश का फायदा उठाकर शाम के समय सामान बेचने की बात संदेह को और गहरा करती है। सूत्रों के अनुसार, केवल कबाड़ ही नहीं, बल्कि स्कूल से कुछ अन्य सामान के भी गायब होने की आशंका जताई जा रही है, जो अब जांच का विषय बन गया है। इस पूरे प्रकरण को लेकर शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों से जांच की मांग उठ रही है। फिलहाल, हायर सेकेंडरी स्कूल सलका के प्राचार्य की कथित मनमानी के कारण विद्यालय का वातावरण तनावपूर्ण बना हुआ है। अब देखना यह होगा कि शिक्षा विभाग इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाती है या नहीं। स्थानीय लोगों की मांग है कि पूरे मामले की जांच कर सच्चाई सामने लाई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस संबंध में स्कूल के प्राचार्य रमाशंकर साहू ने बताया कि इस प्रकार उचित तो नहीं है लेकिन ठंड के कारण शिक्षक शिक्षिका नहीं आ पाई और शाला प्रबंधन समिति से भी बात नहीं हो पाई तथा कबाड़ लेने वाले के पास समय नहीं था शाम के समय कबाड़ वाला समय दिया निश्चित तौर पर यह सब ठंड और कबाड़ के समय के आधार पर बेच दिया गया। वही इस गंभीर मामले को लेकर जिले के जिला शिक्षा अधिकारी से संपर्क करने पर उन्होंने अभिज्ञता जाहिर करते हुए बताया कि मुझे मालूम नहीं है लेकिन मामला गंभीर है जानकारी लेकर ही कुछ बता पाऊंगा।

पीएम आवास योजना में लापरवाही पर जिला पंचायत सीईओ का सख्त रुख, 82 ग्राम पंचायत सचिवों को कारण बताओ नोटिस

एमसीबी। जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम ने सख्त कार्रवाई करते हुए 82 ग्राम पंचायतों के सचिवों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह योजना शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल है, जिसकी निरंतर निगरानी राज्य, जिला एवं जनपद पंचायत स्तर पर की जा रही है, इसके बावजूद कई ग्राम पंचायतों में प्रगति असंतोषजनक पाई गई है।

जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 15,314 आवासों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके विरुद्ध अब तक 7,643 आवासों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है, जो जिले की उल्लेखनीय प्रगति को दर्शाता है। योजना की समीक्षा एवं निगरानी के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर नियमित निरीक्षण किए जा रहे हैं तथा निर्धारित समय-सीमा में आवासों के निर्माण को पूर्ण कराने के निर्देश दिए जा रहे हैं।

आवासों की गुणवत्ता एवं समयबद्ध निर्माण सुनिश्चित करने के लिए आवास मित्रों की भूमिका को भी सशक्त किया गया है। निरीक्षण कार्यों को प्रोत्साहित करने हेतु जिले के 92 आवास मित्रों को कुल 3 लाख 40 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है, जिससे योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को गति मिली है। इसके बावजूद 82 ग्राम पंचायतों में भौतिक प्रगति अपेक्षा के अनुरूप नहीं पाई गई, जिसे जिला प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। बार-बार निर्देश दिए जाने के बाद भी सुधार नहीं होने पर संबंधित ग्राम पंचायत सचिवों को तीन दिवस के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने तथा कार्य में तत्काल प्रगति लाने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय-सीमा में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने की स्थिति में नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, शेष लक्ष्यों की पूर्ति हेतु कार्य सतत रूप से जारी है, ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ समय पर मिल सके।

धान खरीदी में पारदर्शिता की मिसाल

एमसीबी। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में छत्तीसगढ़ सरकार की पारदर्शी और किसान-हितैषी धान खरीदी व्यवस्था किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। सरकार की नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन से किसानों को न केवल उनकी उपज का उचित मूल्य मिल रहा है, बल्कि समय पर भुगतान और सम्मानजनक प्रक्रिया का अनुभव भी हो रहा है। ग्राम पेनारी निवासी किसान धन्नू सिंह की कहानी इसी व्यवस्था की एक प्रेरक उपलब्धि है।

ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

आंगनबाड़ी केंद्र का भव्य शुभारंभ

एमसीबी। जिले के भरतपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत उमरवाह के बैगा पारा में नवस्थापित आंगनबाड़ी केंद्र उमरवाह बैगा पारा का शुभारंभ 01 जनवरी 2026 को पारंपरिक विधि-विधान एवं हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। शुभारंभ अवसर पर पंडित द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना कराई गई, तत्पश्चात ग्राम पंचायत की मुखिया सरपंच श्रीमती सुनीता सिंह मरावी ने फीता काटकर आंगनबाड़ी केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर पूरे गांव में उत्सव का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केंद्र के संचालन से जुड़े सभी प्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रही। शुभारंभ अवसर पर सरपंच श्रीमती सुनीता सिंह मरावी के साथ पंचायत सचिव श्री जगमोहन राम बेनवंश उपस्थित रहे। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती कलावती मिश्रा एवं सहायिका पूजा बैगा ने केंद्र की कार्यप्रणाली, बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य देखभाल तथा प्रारंभिक शिक्षा से संबंधित जानकारी साझा की।

पंचायत प्रतिनिधियों में पंच श्रीमती कुसुम सिंह नेटी, श्रीमती फुलमतिया बैगा एवं श्रीमती केशकली सिंह मरपच्ची की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे, जिनमें श्रीमती सुकवरिया बैगा, श्रीमती सुंदरवती बैगा, श्रीमती शुसका बैगा, श्रीमती नानबाई सिंह कुशराम, श्रीमती फूलकुंवर सिंह मरपच्ची सहित युवा प्रतिनिधि श्री युवराज यादव, श्री प्रीतम बैगा, श्री कुंवर सिंह नेटी एवं श्री अवधेश पाण्डेय शामिल रहे। कार्यक्रम में तकनीकी सहायक श्री प्रदीप बंछोर की उपस्थिति भी रही, जिन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र से जुड़ी तकनीकी व्यवस्थाओं की जानकारी दी। आंगनबाड़ी केंद्र के नन्हे-मुन्ने बच्चों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी जीवंत बना दिया। शुभारंभ समारोह के दौरान वक्ताओं ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र के संचालन से क्षेत्र के बच्चों को पोषण आहार, पूर्व-प्राथमिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होंगी। साथ ही गर्भवती एवं धात्री माताओं को शासन की विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा। ग्रामीणों ने इस पहल के लिए पंचायत प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे बैगा पारा के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी कदम बताया।

उपार्जन केंद्र में किसान ने बेचा 60 क्विंटल धान

एमसीबी। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए भरोसे और पारदर्शिता का नया अध्याय साबित हो रहा है। राज्य सरकार द्वारा लागू की गई किसान-हितैषी धान खरीदी व्यवस्था का सकारात्मक प्रभाव अब ज़मीनी स्तर पर साफ दिखाई देने लगा है। ग्राम ठग्गांव निवासी किसान बाबूलाल इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं, जिन्होंने सिंगहत उपार्जन केंद्र में 60 क्विंटल धान का सफलतापूर्वक विक्रय किया। किसान बाबूलाल ने बताया कि इस वर्ष धान विक्रय की प्रक्रिया पूरी तरह सुव्यवस्थित, सरल और पारदर्शी रही।

राइस मिल सत्यापन में गंभीर अनियमितता

एमसीबी। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत राइस मिल पंजीयन प्रक्रिया में गंभीर अनियमितता सामने आने पर जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। गोयल एग्रो केवटी राइस मिल के भौतिक सत्यापन में लापरवाही बरतने के मामले में खाद्य निरीक्षक केल्हारी श्रीमती ममता भगत को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोयल एग्रो केवटी द्वारा 11 दिसंबर 2025 को ऑनलाइन माध्यम से राइस मिल पंजीयन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था। इसके पश्चात खाद्य निरीक्षक द्वारा 15 दिसंबर 2025 को मिल का भौतिक सत्यापन किया गया। हालांकि 22 दिसंबर 2025 को केल्हारी एवं भरतपुर अनुविभागीय अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा पुनः निरीक्षण किए जाने पर कई गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। चौंकाने वाली बात यह रही कि संयुक्त निरीक्षण में पाई गई अनियमितताओं का उल्लेख पूर्व में खाद्य निरीक्षक द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में नहीं किया गया था।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती का भव्य उत्सव जिले में रजत जयंती चावल उत्सव का ऐतिहासिक शुभारंभ

एमसीबी। जिले में छत्तीसगढ़ राज्य गठन की रजत जयंती के ऐतिहासिक अवसर पर रजत जयंती चावल उत्सव का आज 02 जनवरी 2026 से भव्य एवं गरिमामय शुभारंभ किया गया, जो 09 जनवरी 2026 तक जिले भर में आयोजित किया जाएगा। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में इस अवधि को विभागीय गतिविधियों के विशेष सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला खाद्य अधिकारी एवं समस्त खाद्य निरीक्षकों की उपस्थिति में किया गया, जिसमें जिले के विभिन्न जनप्रतिनिधि भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

रजत जयंती चावल उत्सव के दौरान जिले की सभी शासकीय उचित मूल्य दुकानों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, निगरानी समिति के सदस्यों, दुकान संचालकों एवं बड़ी संख्या में हितग्राहियों की सहभागिता के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति से आयोजन को विशेष गरिमा प्राप्त हुई तथा आम नागरिकों में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति विश्वास और सुदृढ़ हुआ। उत्सव के माध्यम से सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने का संदेश दिया गया। विशेष सप्ताह के अंतर्गत शेष राशन कार्ड धारियों एवं हितग्राहियों की ई-केवाईसी पूर्ण कराने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है, ताकि सभी पात्र हितग्राही योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से प्राप्त कर सकें। इसके साथ ही सभी उचित मूल्य दुकानों में प्रदर्शित सूचना बोर्ड, स्टॉक पंजी, वितरण पंजी एवं चावल उत्सव पंजी को अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे रिकॉर्ड संधारण में पारदर्शिता बनी रहे। रजत जयंती चावल उत्सव के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए निर्धारित प्रारूप में बैनर प्रिंट कर समस्त उचित मूल्य दुकानों में प्रदर्शित किए गए हैं तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर मुनादी के माध्यम से आमजन को जानकारी दी जा रही है। आयोजन से संबंधित समस्त गतिविधियों के फोटोग्राफ संकलित कर विभागीय कार्यालय को भेजे जाने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। इस प्रकार मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में रजत जयंती चावल उत्सव शासन, प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से एक जनउत्सव के रूप में मनाया जा रहा है, जो छत्तीसगढ़ राज्य गठन की रजत जयंती को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हो रहा है।

अवैध अंतर्राज्यीय चावल परिवहन पर बड़ी कार्रवाई

एमसीबी। जिला प्रशासन ने अवैध चावल परिवहन एवं राइस मिल संचालन में गंभीर अनियमितताओं को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्टर कार्यालय (खाद्य शाखा) द्वारा केल्हारी तहसील के केवटी स्थित गोयल एग्रो केवटी राइस मिल के संचालक श्री संजीव कुमार गोयल को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। यह कार्रवाई केल्हारी अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती इंदिरा मिश्रा, भरतपुर अनुविभागीय अधिकारी श्री शशि शेखर मिश्रा एवं खाद्य निरीक्षक भरतपुर श्री प्रवीण मिश्रा तथा केल्हारी खाद्य निरीक्षक श्रीमती ममता भगत की संयुक्त जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 दिसंबर 2025 को मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ सीमा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घुघरी में 32 टन चावल से लदा वाहन जप्त किया गया था। इसके पश्चात 22 दिसंबर 2025 को गोयल एग्रो केवटी राइस मिल का भौतिक सत्यापन किया गया। संयुक्त जांच में यह तथ्य सामने आया कि मिल द्वारा नियमों को दरकिनार करते हुए अनाधिकृत रूप से अंतर्राज्यीय चावल परिवहन किया गया, साथ ही बिना अनुमति चावल का क्रय भी किया गया। जांच प्रतिवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि शासकीय धान को एक मिल से दूसरी मिल में अवैध रूप से स्थानांतरित किया गया तथा चावल एवं धान के स्टॉक का संधारण निर्धारित प्रारूप में नहीं किया गया। मासिक विवरणियां भी नियमित रूप से जिला कलेक्टर को प्रस्तुत नहीं की जा रही थीं। भौतिक सत्यापन के दौरान 774.04 क्विंटल चावल की भारी कमी पाई गई, जिससे मामला और अधिक गंभीर हो गया। संयुक्त टीम की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि गोयल एग्रो केवटी राइस मिल एक डमी मिल के रूप में संचालित हो रही है, जो केवल दस्तावेजों में कस्टम मिलिंग का कार्य दर्शा रही है। इसकी पुष्टि मिल की अत्यंत कम विद्युत खपत से होने की बात कही गई है। निरीक्षण के दौरान मिल परिसर में गंभीर गंदगी पाई गई, जहां चावल एवं धान के भंडारण स्थल पर मरे हुए चूहे, कबूतरों की बीट तथा सड़ी अवस्था में चावल मिले। इन परिस्थितियों को स्वास्थ्य के लिए अत्यंत खतरनाक बताते हुए फूड पॉयजनिंग की आशंका भी जताई गई है।

हर व्यक्ति की जान है कीमती, बाइक चलाते वक्त हेलमेट का जरूर करें उपयोग-कलेक्टर

सूरजपुर। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत् नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने, दो पहिया वाहन चालकों को अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने हेतु प्रेरित करने, दुर्घटना से बचाव के उपाय से लोगों को अवगत कराने, यातायात नियमों की जानकारी सहित यातायात संबंधी विविध आयोजन सड़क सुरक्षा माह के दौरान सूरजपुर पुलिस के द्वारा की जाएगी। सूरजपुर में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ गुरूवार, 1 जनवरी 2026 को कलेक्टर एस जयवर्धन व डीआईजी/एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर की मौजूदगी में स्कूली छात्राओं के द्वारा हेलमेट रैली और यातायात जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शहरभर में कलेक्टर व डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर ने जवानों के साथ बाईक पर हेलमेट जागरूकता रैली निकालकर नगरवासियों को हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने सशक्त संदेश दिया।

कलेक्टर सूरजपुर एस जयवर्धन ने कहा कि नागरिकों को अपनी स्वयं की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें, हम सभी के जागरूक होने, नियमों के पालन करने से सड़क दुर्घटना में कमी आयेगी, हर व्यक्ति की जान काफी कीमती है, बाइक चलाते समय हेलमेट का उपयोग करें, यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित रहे। यातायात नियम केवल निर्देश नहीं हैं, बल्कि सुरक्षित और व्यवस्थित दैनिक जीवन की एक अनिवार्य आवश्यकता हैं। उन्होंने कहा कि दुर्घटना रोकने में आपकी जागरूकता ही हमारा सहयोग है।

इस अवसर पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह दिनांक 1 से 31 जनवरी 2026 तक मनाया जाएगा। जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों को सावधानी के साथ सड़क नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करना और उनके जीवन को सुरक्षित करना है। जिले में यातायात जागरूकता के 4372 आयोजनों के माध्यम से करीब 7 लाख लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया जिसके अच्छे परिणाम रहे। वर्ष 2024 में 435 सड़क दुर्घटना हुई थी जबकि वर्ष 2025 में 428 सड़क दुर्घटना हुई जो वर्ष 2024 के तुलना में वर्ष 2025 में मृत्यु दर में 4 प्रतिशत की कमी आई है। यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्ती भी दिखाई गई और वर्ष 2025 में एमव्ही एक्ट के 38309 लोगों के विरूद्ध कार्यवाही कर 14614150 रूपये समन शुल्क तथा 801 लोगों को शराब पीकर वाहन चलाने पर 7700000 रूपये जुर्माना न्यायालय से हुआ है। उन्होंने लोगों से अपील किया है जिन्दगी आपकी खुद की है गाड़ी चलाते समय यह जरूर विचार करें कि घर पर आपका कोई इंतजार कर रहा है, अपने परिजनों की खुशियों के बारे में सोचे और यातायात नियमों का पालन करें, बाइक चलाते समय हेलमेट जरूर लगाए, नियमों की अनदेखी ना करें। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार नहीं मिलने के कारण उसकी मृत्यु हो जाती है इस हेतु सड़क दुर्घटना में घायलों को गोल्डर ऑवर में फौरन मदद करते हुए नजदीक के अस्पताल पहुंचाकर राहवीर बने इससे आपको खुशी की अनुभूति होगी कि आज आपने नेक कार्य कर किसी की जान बचाई है। कार्यक्रम को जिला रेड क्रास सोसायटी के वाईस चेंयरमेन ओंकार पाण्डेय ने संबोधित कर कहा कि सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ पालन करना जरूरी है, सड़क दुर्घटना में मृत्यु की संख्या कम करने के लिए सभी की भागीदारी जरूरी है, हर व्यक्ति की जान महत्वपूर्ण है। सड़क दुर्घटना में होने वाली मृत्यु में बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट पहने और यातायात के पालन नहीं करने वालों की संख्या ज्यादा होती है इसलिए यातायात नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। वरिष्ठ अधिवक्ता गिरजा शंकर मिश्रा ने कहा कि पुलिस प्रशासन पूर्ण गंभीरता, लगन, समर्पण एवं संवेदनशीलता के भाव से यातायात नियमों के प्रति जागरूकता में लगी हुई है ताकि लोग जागरूक हो, सड़क दुर्घटना में किसी की मृत्यु न हो इसके लिए सभी को यातायात नियमों के पालन को लेकर सजग होना पड़ेगा। मंच का संचालन आरक्षक शशिकांत मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे, यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय, पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी सहित गणमान्य नागरिकगण मौजूद रहे। छात्रों ने यातायात जागरूकता रथ को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना। आमजन को सावधानी के साथ सड़क नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करने व सड़क पर सावधानीपूर्वक वाहन चलाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए यातायात जागरूकता रथ को कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन एवं डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर की मौजूदगी में स्कूली छात्रों के द्वारा हेलमेट रैली और यातायात जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पुलिस अधिकारी व जवानों को अनिवार्य हेलमेट पहनने के कड़े निर्देश। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने पुलिस अधिकारी व जवानों को कहा कि खुद सुरक्षित रहे, दूसरों को सुरक्षित रखे और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। आज नए वर्ष से सभी पुलिस अधिकारी व जवानों को अनिवार्य रूप से बाईक चलाते समय हेलमेट पहनने के सख्त निर्देश दिए और कहा कि मोटर सायकल चलाते कोई बिना हेलमेट के दिखा तो संबंधित को दंडित किया जायेगा।

डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर ने किया अपील। सुरक्षित सफर के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है लोगों का नियमों के प्रति जागरूक होना और उनका महत्व समझकर उन्हें अपने जीवन में अपनाना। उन्होंने कहा कि जीवन अनमोल है और इसको लेकर लोगों को गंभीर होने की जरूरत है वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का इस्तेमाल करें और ट्रैफिक नियम का पालन करें साथ ही साथ अत्यधिक गति से वाहन ना चलायें। यातायात नियमों का पालन कर पुलिस का सहयोग प्रदान करें।

करतला रेंज में ओझल हुए दंतैल हाथी लोकेशन ढूंढ़ने में जुटा वन विभाग

कोरबा। जिले के कोरबा वनमंडल अंतर्गत करतला रेंज के बड़मार व चिकनीपाली जंगल में अलग-अलग घूम रहे दो दंतैल हाथी बीती रात ओझल हो गए। दंतैल हाथियों का कोई अतापता नहीं चल पाया है। फलस्वरूप ग्रामीणों को खतरा बढ़ गया है, जिसे देखते हुए वन विभाग का अमला सतर्क हो गया है और वह हाथियों का लोकेशन ढूंढ़ने में लग गया है। इसके लिए ड्रोन कैमरे व मैदानी अमले को लगाया गया है जो लगातार जंगलों में दंतैल हाथियों का लोकेशन जानने की कोशिश कर रहे हैं ताकि इसकी जानकारी लगते ही संबंधित क्षेत्र के लोगों को सचेत किया जा सके लेकिन अब तक अमले को दंतैल हाथियों का लोकेशन नहीं मिल सका है।

ज्ञात रहे करतला रेंज में दो दंतैल हाथियों की मौजूदगी बनी हुई है जिसमें से एक दंतैल ब्लॉक मुख्यालय करतला से सटे बड़मार गांव के जंगल में तथा दूसरा चिकनीपाली क्षेत्र में स्थित पहाड़ पर है। इन दोनों हाथियों का लोकेशन कल दिन भर लोकेशन मिलता रहा लेकिन बीती रात से दंतैल हाथी का अतापता नहीं चला है जिसकी वजह से यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि दंतैल हाथी क्षेत्र में मौजूद है अथवा आगे बढ़कर कहीं और चले गए हैं। दंतैल हाथियों के संबंध में जानकारी नहीं मिलने के कारण निगरानी तथा ग्रामीणों को सचेत करने में परेशानी हो रही है। यहां यह बताना जरूरी है कि चिकनीपाली क्षेत्र में मौजूद दंतैल हाथी काफी आक्रामक है तथा उसका स्वभाव भी गुस्सैला है। इस दंतैल ने कोरबा व कटघोरा क्षेत्र में हमला कर लगातार तीन दिनों में तीन लोगों की जान ले ली थी। इसके बाद कोरबा रेंज होते हुए करतला पहुंचा है और लगभग एक सप्ताह तक सेंद्रीपाली क्षेत्र में उत्पात मचाने तथा ग्रामीणों के बाड़ी को उजाड़ने के बाद चिकनीपाली क्षेत्र में पहुंचने के साथ पहाड़ पर डेरा डाल दिया है। इस बीच कटघोरा वनमंडल के जटगा रेंज में 49 तथा एतमानगर के बारापचरा में दो हाथी लगातार विचरण कर रहे हैं।

हालांकि हाथियों की उपस्थिति आबादी वाले क्षेत्र से दूर पहाड़ तथा जंगल में बनी हुई है। जिसकी वजह से कोई बड़ा नुकसान नहीं हो रहा है और वन विभाग के साथ-साथ ग्रामीणों को कुछ राहत कायम है।

प्रदेश महामंत्री करेंगे दौरा

कोरबा। युवक कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री व तानाखार विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी लक्ष्मी कंवर, पाली विधानसभा क्षेत्र का दौरा करेंगे। वे सभी ब्लॉकों में जाकर कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। तानाखार विधानसभा क्षेत्र में कई समस्याएं हैं। उन समस्याओं को दूर करने के लिए आगे की रूपरेखा तैयार की जाएगी। खासकर क्षेत्र में किसान कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। इसके अलावा बिजली की समस्या ग्रामीण क्षेत्रों में बनी हुई है। युवक कांग्रेस के सभी कार्यकर्ता समस्याओं को दूर करने के लिए संघर्ष करेंगे। पिछले दिनों कलेक्टर को भी एक ज्ञापन लक्ष्मी कंवर के नेतृत्व में सौंपा गया था। जिसमें विकास सिंह, राकेश पंकज, रहमान खान, सद्दाम, कुणाल आजाद सहित अनेकों कार्यकर्ता थे।

कार्मिक प्रबंधक इधर से उधर गए

कोरबा। एसईसीएल कोरबा पूर्व केंद्रीय कर्मशाला के कार्मिक प्रबंधक बलराम टंडन ने गेवरा केंद्रीय कर्मशाला में जाकर पदभार ग्रहण कर लिया है। जबकि केंद्रीय कर्मशाला गेवरा के कार्मिक प्रबंधक शैलेंद्र पराशर केंद्रीय कर्मशाला कोरबा आ गए हैं। इन दोनों का स्थानांतरण एक माह पहले हो गया था लेकिन उन्होंने दो दिन पहले ही पदभार ग्रहण किया है। गेवरा के यूनियन प्रतिनिधि विकास शुक्ला, बीएल खूंटे, एलपी चंद्रा, मुकुल कर्ष का कहना है कि कार्मिक प्रबंधक के सामने समस्याओं को रखा जाएगा। उनके यहां पदभार ग्रहण करने का इंतजार किया जा रहा था। इधर कोरबा पूर्व के यूनियन प्रतिनिधियों ने भी कार्मिक प्रबंधक पराशर के सामने अपनी-अपनी समस्याओं को रखा। इस दौरान दिलीप सिंह, राजेंद्र यादव, राजेश पांडेय, संतोष टंडन, डीपी लहरे सहित अन्य सदस्य थे।

नपा अध्यक्ष के सामने रखी मांग

कोरबा। नपा बांकीमोंगरा के अध्यक्ष के सामने कांग्रेस पार्षदों ने मांग रखते हुए कहा कि उनके वार्ड में कई समस्याएं हैं। उन समस्याओं को दूर करने के लिए पार्षद निधि कोष से भी खर्च किए जाते हैं। पार्षद निधि की राशि में बढ़ोत्तरी किए जाने की जरूरत है। पार्षदों के साथ वरिष्ठ नेता प्रदीप अग्रवाल, महिला कांग्रेस की प्रदेश महामंत्री भुवनेश्वरी दास भी थीं। सभी पार्षदों ने एक स्वर में कहा कि वार्ड में अनेकों समस्याएं हैं। इन समस्याओं को दूर करने के लिए प्रस्ताव रखे गए हैं। खासकर क्षेत्र के नागरिक नाली, सड़क सहित कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। पानी निकासी की व्यवस्था गड्ढों को ठीक करने एवं और भी कई समस्याएं हैं। पार्षद निक्कू कुकरेजा, तेज प्रताप, राकेश अग्रवाल, राधा साहू सहित अन्य पार्षदों ने कहा कि पार्षद निधि में बढ़ोत्तरी की जरूरत है।

समस्याओं पर हुई चर्चा

कोरबा। एसईकेएमसी कार्यकर्ताओं की बैठक दीपका क्षेत्र में आयोजित की गई । जिसमें कहा गया कि कोयला कामगारों की समस्याओं पर लगातार अधिकारियों के साथ चर्चा की जा रहा है। खास कर अवासों के मामले में ज्यादा चर्चा हो रही है। अवासों के मरम्मती करण के लिए जो आवेदन आए है। उस पर कार्य किया जा रहा है। बैठक में सतीश सिंह, संजू शर्मा, रामकुमार कौशिक व रूसूल उपस्थित थे।

अंचल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया अन्नदान का पर्व

बच्चों व युवाओं की टोलियां निकली छेरछेरा मांगने

कोरबा। अन्नदान का महापर्व छेरछेरा कोरबा अंचल में पारंपरिक श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर लोगों ने अन्नदान की परंपरा निभाई। सुबह से ही बच्चों तथा युवाओं की टोली हाथ में थैला लिए छेरछेरा मांगने के लिए घुमती नजर आई। वे घरों में पहुंचकर छेरछेरा माई कोठी के धान ल हेरहेरा नारे के साथ दान करने के लिए अनुरोध करते रहे। जिन्हें लोगों ने अपनी शक्ति व सामर्थ्य के अनुरूप अन्न, चावल, धान व रुपए-पैसे देकर विदा किया। याद रहे फसल कटाई के पश्चात् अनाज (धान) के घरों में पहुंचने की खुशी में लोग विशेषकर कृषक वर्ग छेरछेरा का पर्व मनाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इस पर्व की विशेष धूम रहती है।

प्रदेश अध्यक्ष सिंहदेव से मुलाकात

कोरबा। भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश मंत्री भागवत विश्वकर्मा ने कल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव से मुलाकात की और उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने के लिए मार्गदर्शन प्राप्त किया। उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सवन्नी व पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू से भी मुलाकात की। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने और कई मुद्दों पर चर्चा करते हुए अपनी बात रखी। उनके साथ जितेंद्र सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता भी थे।

पूर्व मंत्री अग्रवाल ने जिलेवासियों को दी छेरछेरा की बधाई

कोरबा। पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कोरबावासियों को छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रसिद्ध लोक पर्व छेरछेरा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। श्री अग्रवाल ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में प्रतिवर्ष पौष शुक्ल स्नान दानव्रत पूर्णिमा के दिन छेरछेरा पर्व को बड़े ही धुमधाम के साथ मनाया जाता है। यह पर्व नई फसल के घर आने की खुशी में फसल उत्सव के रूप में तथा धान दान के लिए प्रसिद्ध पर्व छेरछेरा त्योहार मनाया जाता है। यह पर्व छत्तीसगढ़ प्रदेश के गौरवशाली परंपरा का संवाहक है। श्री अग्रवाल ने छेराछेरा त्योहार के अवसर पर कोरबावासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली, वैभव, ऐश्वर्य, उन्नति, प्रगति, आदर्श, दीर्घायु होने की कामना की है।

ग्रामीण के घर पर रात को निकला कोबरा, मचा हड़कंप

कोरबा। कनकेश्वर धाम कनकी एक व्यक्ति के घर के अंदर 5 फ़ीट लंबा भारतीय नाग निकलने हड़कंप मच गया। रात्रि करीब 10 बजे जब घर वाले सोने की तैयारी कर ही रहे थे तभी कुछ चलता हुए प्रतित हुआ फिर ठीक से देखने पर सांप पाया गया, जिसके बाद घर वाले तुरत घर से बाहर निकल गए और मदद के लिए आस पास के लोगों को बुलाया। डर से किसी की हिम्मत नहीं हुई तब तक कोबरा दो कुर्सी के बीच में जाकर बैठ गया था। गांव के युवक बसंत रजवाड़े ने घटना की सूचना वाइल्डलाइफ रेस्क्यु टीम (नोवा नेचर) के जितेंद्र सारथी दिया जिस पर थोड़ी देर में पहुंचने की बात कहीं गई और कुछ देर बाद जितेंद्र सारथी अपने टीम के सदस्य सिद्धांत जैन के साथ कनकी पहुंचे। कमरे में बैठें भारतीय नाग को बड़ी सावधानी से बाहर निकाला और थैले में डाला तब जाकर सभी ने राहत की सांस लिया। गांव वालों ने रेस्क्यु टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया गया फिर उसे सुरक्षित प्राकृतिक रहवास जंगल में छोड़ा गया।

नगर पालिका की सामान्य सभा में विकास कार्यों पर हुई चर्चा

कोरबा। नगर पालिका बाकी मोगरा में सामान्य सभा की बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई, जिसमें मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका अध्यक्ष एवं समस्या पाषर्दगण सहित विपक्षी नेता मौजूद रहे सामान्य सभा की बैठक में विभिन्न मुद्दों को लेकर चर्चाएं हुई।

डीएमएफ मद से लगभग तीन करोड़ की लागत से मंगल भवन, आँगनबाड़ी, व अन्य कार्यों के लिए स्वीकृति प्रदान होने की बात पार्षद मधुसूदन ने बताया। विकास कार्यों में सड़क बत्ती को लेकर 16 लाख की स्वीकृति की भी बात सामने आई और साथ साथ प्रत्येक वार्डों में दो दो समर्सिबल पंम्प पालिका के ओर से लगवाया जाएगा ताकि बांकी मोंगरा के विकास हो सके। सामान्य सभा मे मीडिया के प्रवेश को सामने लाया गया। मीडिया आवाम को एक आयना दिखाने का काम करती है। मीडिया हर कार्यो में पारदर्शिता लाती है जिससे कि मीडिया की उपस्थिति अनिवार्यता बताते हुए आग्रह किया गया कि मीडिया की प्रवेश के प्रतिबंध को हटाया जाए।

वार्ड क्रमांक 22 की पार्षद आशा साहू ने बताया कि एसईसीएल की कालोनी में उनका वार्ड पड़ता है जिससे कि वार्ड की सफाई, सड़को,व नाली पानी की समस्याओं में कभी पालिका तो कभी एसईसीएल के द्वारा वार्ड की समस्याओं का निराकरण करवाने के आए दिन चक्कर काटने की बात कही। कालोनी है तो एसईसीएल का दायित्व बनता है कि वो पूरा ध्यान देवे और नगर पालिका क्षेत्र में आने के कारण उनका भी दायित्व बनता है कि अपने वार्ड को स्वच्छ और सुबेवस्थित रखने का । नगर पालिका अध्यक्षा ने बताया कि आज सामान्य सभा मे सभी ने अपना अपना प्रस्ताव रखा और सभी विषयों पर चर्चा हुई जंहा जरुरत है वहाँ स्वीकृति मिली हैं और जो बच गया है वहां जल्द कार्यों को शुरू करवाया जाएगा। आपस मे सब मिल जुल कर अपने पालिका की विकास करने आएंगे तो निश्चित ही विकास की राह में चाँदनी जरूर अपना रंग दिखाएगी।

जाम समस्या दूर होगी शहर में, मल्टीलेवल पार्किंग तैयार

कोरबा। नए साल में लोगों को कोरबा शहर के पॉवर हाउस रोड पर दिन में लग रही कई बार जाम की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। बताया जा रहा हैं कि पार्किंग भवन का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो गया है। रंग-रोगन के साथ ही जल्द ही मल्टीलेवल पार्किंग को आम लोगों ने के लिए शुरू करने की योजना है। इससे लोगों को राहत मिलेगी। जिला खनिज न्यास मद की लगभग 19 करोड़ रुपए की लागत से पॉवर हाउस रोड नहर पुल चौक से दर्री रोड की ओर जाने वाले बायपास मार्ग पर 256 चार पहिया वाहनों की क्षमता वाले जी प्लस थ्री मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो गया है। रंग-रोगन के कार्य जारी है।

निगम ने पहले डीएमएफ से 15 करोड़ 36 लाख रुपए की लागत से मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण कराया गया। इसके बाद निर्माण कार्य बंद हो गया था। शेष बचे हुए निर्माण कार्य को फिर से प्रारंभ कराया गया था। इस दौरान लगभग चार करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए थे। इस भवन में कमर्शियल दुकानें में निकाले जाने की तैयारी है। इससे पॉवर हाउस रोड पर पडने वाले यातायात का दबाव, बेतरतीब पार्किंग की वजह से लग रही नहर पुल की जाम से राहत मिलेगी। इसे लोगों को भी बेसब्री से इंतजार है। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने मल्टीलेवल पार्किंग का निरीक्षण किया। उन्होंने भवन के संचालन के लिए निविदा प्रक्रिया जल्द पूरा करने को कहा। साथ ही रैप निर्माण, ग्रिल लगाने के कार्य शीघ्र पूरा करने तथा सुरक्षा से जुड़े अन्य आवश्यक कार्य को समयसीमा में पूर्ण कराने की बात कही। संभावना जताई जा रही है कि प्रक्रिया पूर्ण करने पश्चात वर्ष 2026 से मल्टीलेवल पार्किंग शुरू कर दी जाएगी।

नव-वर्ष के स्वागत के साथ संपन्न हुआ जेसीआई का 32वां शपथ ग्रहण

कोरबा। जेसीआई कोरबा सेंट्रल का 32वां शपथ ग्रहण समारोह 31 दिसंबर की शाम मेहर वाटिका में संपन्न हुआ। इसमें जेसीआई कोरबा सेंट्रल, जेसीआई लेजेंड एवं जेसीरेट के अध्यक्ष क्रमश: जेसी सी.ए. टी.एन. बजाज, जेसी रामकुमार सोनी एवं जेसीरेट अंशु अग्रवाल ने अपनी 2026 की सम्पूर्ण कार्यकारिणी के साथ शपथ ली। इसके साथ ही 18 नए सदस्यों ने सदस्यता की शपथ ली एवं गत-वर्ष के उत्रिष्ट कार्य हेतु शानदार अवार्ड सेरेमनी आयोजित किया गया। ततपश्चात् डेस्क-कैलेंडर, 2026 की वार्षिक योजनाकार व 'हसदेव तट से' नामक प्रस्तावित पत्रिका का कवर-पृष्ठ का विमोचन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कोरबा महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत जी थी जिन्होंने जेसीआई द्वारा गतवर्ष में विभिन्न क्षेत्रो में किये गए कार्यक्रमों की सरहाना की। विशिष्ट अतिथि के रूप में रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष रामसिंह अग्रवाल थे जिन्होंने कहा कि जेसीआई के सदस्य किसी भी कार्यक्रम को सफल व सुचारू रूप से करने में निपूर्ण है। साथ ही इंस्टालेशन अधिकारी के रूप में जेसीआई जोन-27 के उपाध्यक्ष जेसी अंकित टमकोरिया उपस्थित रहे और मुख्य-वक्ता के रूप में जेसी सेनेटर सी.ए. अमर अग्रवाल उपस्थित रहे।

शपथ ग्रहण के पश्चात् पूरे जेसीआई परिवार ने मिलकर धूम-धाम, नाच-गान एवं आतिशबाजी के साथ नव-वर्ष का स्वागत किया। इस कार्यक्रम के निर्देशक हर्ष गुप्ता, विवेक अग्रवाल व सह-निदेशक कपिल विश्वकर्मा, नितेश मोदी थे। इस दौरान जेसीआई के पूर्व अध्यक्षगण, अध्यक्ष 2025 सी.ए. अभिषेक अग्रवाल, समन्वयक सी.ए. आशीष अग्रवाल, उत्कर्ष अग्रवाल, जेसीआई लीजेंड, जेसीरेट सहित पूरा जेसीआई परिवार उपस्थित रहा। अंत में सचिव जेसी निश्चल टमकोरिया ने सबका आभार व्यक्त किया।

पताढ़ी मेले की जोरदार तैयारी

कोरबा। माघ पूर्णिमा के अवसर पर पताढ़ीधाम में तीन दिवसीय मेले का आयोजन किया जाता है, जिसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। पताढ़ीधाम के अध्यक्ष लखन लहरे एवं अन्य सदस्यों का कहना है कि मेले में आसपास के ग्रामीणों के अलावा 100 गवां क्षेत्र से भी लोग आते हैं। तीन दिनों तक चलने वाले इस मेले में कई समिति के लोग रैली निकालकर पहुंचते हैं और बाबा गुरु घासीदास की आराधना करते हैं। पताढ़ीधाम समिति के सदस्य आनंद सोनवानी, कमलेश अनंत, गैसराम मिरी, गणेश बघेल सहित अन्य सदस्य मेले को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

*__कोरबा।__ बंसत पंचमी के अवसर पर निखिल चेतना केन्द्र के द्वारा साधना शिविर का आयोजन किया गया है।

मुडापार वार्ड की समस्याओं को सामने रखा

कोरबा। मुड़ापार वार्ड के नागरिक कई समस्याओं से जुझ रहे है। इन समस्याओं को दूर करने के लिए वार्ड पार्षद रामकुमार कुर्रे प्रयास तेज कर दिए है। उनके द्वारा निगम के अधिकारियों के सामने समस्याओं को रखा गया है। जिन स्थानों पर नालिया टूट गई है। उसे बनाने की मांग की गई है। कुछ स्थानों पर सड़क के लिए कहा गया है। पार्षद रामकुमार कुर्रे ने कहा कि वार्ड में कई समस्या थी। अधिकारी आ कर सर्वे करने का काम भी किया है। सभी काम धीरे धीरे हो रहे है।

राजिम महोत्सव में शामिल होंगे कार्यकर्ता

कोरबा। जिला साहू समाज के 200 कार्यकर्ता राजिम महोत्सव में शामिल होंगे। जिसकी तैयारी सभी इकाईयों में की जा रही है। साहू संघ के जिलाध्यक्ष गिरिजा साहू के निर्देश पर सभी इकाईयों में अलग-अलग बैठक हो रही है। कार्यकर्ताओं को राजिम ले जाने के लिए तैयार किया जा रहा है। संगठन के दिनेश साहू, घनश्याम साहू, रवि साहू सहित अन्य कार्यकर्ता इसके लिए सहयोग कर रहे हैं।

पतंजलि चिकित्सालय में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर 5 को

कोरबा। पतंजलि योगपीठ दिव्य योग मंदिर ट्रस्ट के 31 वें एवं भारत स्वाभिमान के 17 वें स्थापना दिवस पर पतंजलि चिकित्सालय, श्री शिव औषधालय महानदी काम्प्लेक्स, निहारिका कोरबा में प्रात: 10 बजे से मध्यान्ह 2 बजे तक शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में दंत रोग, अस्थि खनिज घनत्व (बोन मिनरल डेंसिटी) जांच, नेत्र जांच, रक्त शर्करा जांच तथा स्त्री, पुरुष एवं बच्चों के सभी सामान्य, साध्य, कष्टसाध्य, एवं असाध्य रोगों के लिए नि:शुल्क आयुर्वेद-योग चिकित्सा परामर्श एवं उपचार किया जाएगा। यह आयोजन पतंजलि युवा भारत, लायंस क्लब कोरबा एवरेस्ट, नमामि हसदेव सेवा समिति, विश्व हिंदू परिषद, आरोग्य भारती, नीमा एवं आयुष मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में किया जा रहा है।

शिविर में गुजरात आयुर्वेद डेंटिस्ट्री के दंत चिकित्सक डॉ.विकास अग्रवाल, पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से प्रशिक्षित वैद्य डॉ.वागेश्वरी शर्मा, पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के आजीवन सदस्य नाड़ी वैद्य डॉ.नागेन्द्र नारायण शर्मा एवं संस्थान के संस्थापक नाड़ी वैद्य पंडित शिव कुमार शर्मा अपनी सेवाएं देंगे। शिविर में ऐसे दंत रोगी जिनके दांत सड़ गयें हो, दर्द रहता हो, निकलवाला चाहते हों, पर शुगर, बीपी या अन्य कारणों से नही निकलवा पा रहे हों, उनके दांतों को बिना किसी किसी एनेस्थिसिया, बिना किसी दर्द के आयुर्वेद की विशेष विधा जालंधर बंध द्वारा निकाला जायेगा। शिविर में बीएमडी मशीन द्वारा अस्थि खनिज घनत्व (बोन मिनरल डेंसिटी) 2000/- मूल्य की निशुल्क जांच दिल्ली के टेक्नीशियन द्वारा की जायेगी। मरीजों की रक्त शर्करा तथा रक्तचाप की जांच निशुल्क की जायेगी। साथ ही आंखों की जांच निशुल्क कर चश्मे का नंबर का कार्ड बनाकर दीया जायेगा। शिविर में सभी प्रकार के रोगों में लाभकारी तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाला इम्यूनिटी बूस्टर क्वाथ नि:शुल्क पिलाया जायेगा।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रासंपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com